वर्ष : 16 ❖ अंक : 279 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 23 मई 2022

यह भारतीयों खेलों को स्वर्ण युग : पीएम मोदी 3

आईपीएल के क्वालिफायर मुकाबलों पर बारिश का साया मंडराया 8

सिक्किम के अधिकारों को थोड़ा-थोड़ा कर बेच रही है सिक्किम सरकार : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 मई । पवन चामलिंग ने दिल्ली में राज्य दिवस मनाने को लेकर सिक्किम सरकार की ओलोचना करते हुए कहा कि यह सिक्किम की भावनाओं का अनादर करना है। उन्होंने कहा कि यह एसकेएम सरकार द्वारा सिक्किम की संपत्ति, विरासत, गौरव और अधिकारों को थोड़ा-थोड़ा करके बेचने का संकेत है।

पूर्व मुख्यमंत्री चामलिंग ने कहा कि हमने अपना राज्य खो दिया है लेकिन जमीन नहीं और हमें अपने राज्य के बाहर अपना राज्य दिवस मनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कदम से एसडीएफ सरकार द्वारा शुरू किए गए रिवर्स इंटीग्रेशन में बाधा आई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह प्रवृत्ति अभी समाप्त नहीं हुई, तो सीएम पी.एस. गोले मिंतोकगांग को दिल्ली स्थानांतरित कर सकते हैं और सिक्किम के लोगों को अपने मुख्यमंत्री से मिलने के लिए सिक्किम से बाहर जाना पड़ सकता है। ये बातें उन्होंने साप्ताहिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के तहत उनसे पूछे गए सवाल के जवाब में कही।

उनसे पूछा गया था कि पहली बार, दिल्ली में सिक्किम राज्य दिवस मनाया गया। आप इस नए चलन को कैसे देखेंगे जिसने सिक्किम में राज्य दिवस मनाने की लंबे समय से चली आ रही परंपरा को तोड़ा है? पवन चामलिंग ने कहा कि जहां तक मेरा सवाल है, यह लंबे समय से चली आ रही परंपरा को तोड़ने से कहीं ज्यादा खराब है। यह एक ऐसा कदम है जो इस नेतृत्व में हमारे सिक्किम के गौरव को धीरे-धीरे ध्वस्त करने की प्रक्रिया को गति देता है। मैं तीन महत्वपूर्ण मामलों को सिक्किम के लोगों और एसकेएम सरकार के सामने विचार के लिए लाना चाहता हूं।

सबसे पहले, सिक्किम एक ऐसा राज्य है जो अनुच्छेद 371 एफ के तहत प्रदान किए गए विशेष प्रावधानों के साथ बनाया गया है। हमारा एक अलग इतिहास है, एक अलग तरीका है जिससे हम भारत का हिस्सा बने। हमारी एक अलग हैसियत और एक अलग पहचान है। संविधान ने हमारे विशेष दर्जे, पुराने कानूनों, स्थानीय सुरक्षा और विशिष्ट पहचान के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है। इन चीजों को संरक्षित करना सिक्किम सरकार और सिक्किम के लोगों की जिम्मेदारी है। हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। हमने अपना राज्य खो दिया लेकिन हमने अपनी जमीन, अपनी विरासत, अपनी पहचान और अपना गौरव नहीं खोया। हम शरणार्थी नहीं हैं। हमें, एक गौरवशाली राज्य के रूप में, एक विशिष्ट इतिहास के साथ, राज्य के भीतर, हमारी पुश्तैनी भूमि पर अपना राज्य दिवस मनाना चाहिए।

दूसरे, एक संघीय व्यवस्था में, राज्य और केंद्र के बीच एक स्पष्ट अंतर होता है। एक राज्य दिवस एक राज्य उत्सव है। कोई अन्य राज्य अपने राज्य के कार्यों को देखने के लिए दिल्ली नहीं जाएगा। यह एक राज्य के लिए हास्यास्पद और बहुत ही अनुपयुक्त होगा। तीसरा, इस तरह के एक कदम ने रिवर्स इंटीग्रेशन

को बाधित किया है जिसे हमने शुरू किया था। गौरतलब है कि एसडीएफ शासन के दौरान समय आ गया था कि देश और दुनिया हमारे गौरव का जश्न मनाने के लिए सिक्किम में आ रहे थे। हमने सिक्किम में कई पूर्वोत्तर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्वोत्तर के सभी मुख्यमंत्री और दुनिया भर से प्रसिद्ध हस्तियां हमारे निमंत्रण पर सिक्किम आए।

पवन चामलिंग ने कहा कि सिक्किम ने 2016 में सतत कृषि और किसान कल्याण पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अन्य केंद्रीय मंत्री और अन्य भारतीय राज्यों के प्रतिनिधिमंडल सिक्किम आए। हमारे सम्मान सम्मेलन 2004 के दौरान, पूरे भारत से साहित्य, संगीत, कला, सिनेमा, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में 100 से अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल नेपाली आर्टिस्ट सोसाइटी (आईएनएएस) नेपाली फिल्म अवार्ड 2016 में, 65 देशों के 200 से अधिक प्रतिनिधि गंगटोक आए। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय पुष्प उत्सव, उत्तर पूर्व स्तर के सम्मेलन और कई अन्य कार्यक्रम इस बात के उदाहरण थे कि कैसे विपरीत एकीकरण सिक्किम को भारत के केंद्र स्तर पर ले जा रहा था। इस प्रक्रिया पर निर्माण करने के बजाय, अब राज्य दिवस समारोह को दिल्ली ले जाया गया है।

उन्होंने कहा कि हालांकि, हम उस मुख्यमंत्री से क्या उम्मीद कर सकते हैं जिसने दिल्ली में सिक्किम के सीएम के रूप में शपथ ली थी? मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वह अंतत: मिंतोकगांग को दिल्ली स्थानांतरित कर दें। मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूं।

दिल्ली में सिक्किम का राज्य दिवस मनाना पीएस गोले के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा सिक्किम की संपत्ति, गौरव, अधिकार और विरासत को बेचने का संकेत है। जल्द ही, सिक्किम के लोगों को अपने मुख्यमंत्री से मिलने के लिए सिक्किम से बाहर जाना होगा-सिलीगुड़ी, दिल्ली या कहीं और। सिक्किम की शान अब बीते दिनों की बात हो जाएगी। हो सकता है कि सिक्किम के लोगों को हमारी सिक्किम की पहचान के लिए लड़ने के लिए दिल्ली (जंतर मंतर) जाना पड़े। यदि उनके दृष्टिहीन, नासमझ और सिक्किम विरोधी फैसले जारी रहे, तो सिक्किम जल्द ही इतिहास की पाठ्यपुस्तक का विषय बन जाएगा। उनके कुछ समर्थकों को उनके इस कदम में कुछ भी गलत नजर नहीं आ रहा है। उन्हें जो प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है, उसने उन्हें अंधा कर दिया है। ये कोई मामूली बातें नहीं हैं। समय आ गया है कि हम सिक्किम के लिए एकजुट होकर खड़े हों और इसे अपनी संतानों के लिए सुरक्षित करें। याद रखें, सिक्किम के लोग दिन-ब-दिन सचमुच और प्रतीकात्मक रूप से सिक्किम पर अपनी पकड़ खोते जा रहे हैं।

मिंतोकगांग के सामने प्रदर्शन मामले में नया मोड़

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने झूठ बोलकर लाने का लगाया आरोप

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 मई । कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री पीएस गोले के सरकारी आवास मिंतोकगांग के सामने पूर्वी सिक्किम के रेनाक क्षेत्र के कुछ निवासियों ने धरना देकर सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी और सरकार के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए नारेबाजी की थी। इस मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है।

प्रदर्शनी में भाग लेने वाली कुछ महिलाओं ने आज राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और दावा किया कि मनु तमांग नाम की एक महिला ने झूठ बोला था कि उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा आमंत्रित किया गया था। उल्लेखनीय है कि 16 मई को सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी के कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले कुछ लोगों ने मिंतोकगांग के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने विशेष रूप से निर्वाचन क्षेत्र के विधायक विष्णु कुमार खतिवड़ा के कार्यों को लेकर अपना असंतोष व्यक्त किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि निर्वाचन क्षेत्र के विधायक सरकार की गतिविधियों में पक्षपाती रुख अपना रहे हैं।

उस दिन की घटना को लेकर विधायक विष्णु कुमार खतिवड़ा को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। हालांकि, उसी प्रदर्शन में भाग लेने वाली कुछ महिलाओं ने दावा किया कि उन्हें गंगटोक लाने के लिए उनके साथ झूठ बोला गया था और उन्हें पार्टी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं थी। तुलसा पौडयाल, पासांग डोमा शेरपा और अन्य महिलाओं ने संवाददाताओं से कहा कि मनु तमांग ने उस दिन उन्हें गुमराह किया था और मिंतोकगांग के सामने विरोध प्रदर्शन के लिए लाया था।

उनके मुताबिक मनु तमांग उन्हें गंगटोक यह कहकर लेकर आई थीं उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने का न्यौता दिया गया है। बाद में उन्होंने कहा कि जब मनु तमांग और अन्य ने कुछ मीडिया के सामने पार्टी और निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के खिलाफ बोलना शुरू किया तो वह चौंक गईं। उनके मुताबिक वह पहले भी एसकेएम पार्टी के समर्थक थीं और आगे भी रहेंगी।

एसडीएफ के समर्थक एसकेएम में शामिल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 मई । आज 84 सदस्य एसडीएफ पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी में शामिल हो गए। इनमें रंगपो ट्रक ड्राइवर एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज सुनार के साथ ही इसके 67 सदस्य और रंगपो नगर पंचायत क्षेत्र के अन्य लोग शामिल हैं।

एसकेएम पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष सह क्षेत्र विधायक पश्चिम पेंडाम निर्वाचन क्षेत्र एलबी दास ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर हरि दंगल, संजीव खाटी, राधा प्रधान, सुश्री लरिष्णा

तमांग, श्रीमती मोना दंगाल, सीएलसी युवा संयोजक सुरेन तमांग, श्रीमती पद्मा थापा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष एलबी दास ने नए शामिल हुए सदस्यों और आम जनता के साथ बातचीत भी की। उन्होंने उनकी शिकायतों को सुना और पार्टी के सदस्यों से विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

एफडीआई के मामले में पिछली तिमाही में अव्वल रहा कर्नाटक : बोम्मई

बेंगलुरु, 22 मई (एजेन्सी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि देश में गत तिमाही के दौरान सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया और कर्नाटक इस मामले में सभी राज्यों में अव्वल रहा।

विश्व आर्थिक मंच के दावोस में होने वाले शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जाने से पहले बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा, हमें इस बात पर गर्व है। मैं कई बड़े कारोबारियों और उद्योग जगत के नामचीन लोगों से मिलने वाला हूं।'

उन्होंने बताया कि उनमें से कई कारोबारियों ने कर्नाटक में निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई है। मुझे विश्वास है कि निवेश आकर्षित करने के हमारे प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलेगा।

कर्नाटक में नवंबर में आयोजित किए जाने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन में की गई बातचीत राज्य में निवेशकों को आकर्षित करने में काफी मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि इस बार शिखर सम्मेलन सिर्फ एमओयू पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं होगी। एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद उद्योग स्थापित करने की दिशा में पहल भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ राज्य के कुछ मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी जा रहे हैं।

सिक्किम ने पूर्व छोग्याल को 99वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 22 मई । राज्य के राज्यपाल गंगा प्रसाद और पूर्व राजकुमार पाल्देन नामग्याल के साथ सिक्किम के अंतिम छोग्याल पाल्देन थोंडुप नामग्याल को उनकी 99 वीं जयंती पर नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी, देवराली मेमोरियल पार्क में श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। एक पारंपरिक मठवासी अनुष्ठान सोल्डेप में पेमायंग्त्से मठ के भिक्षुओं द्वारा किया गया, जबकि राज्यपाल ने एक शताब्दी बैज जारी किया।

नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी 22 मई 2023 तक पूरे वर्ष छोग्याल के जन्मदिन के शताब्दी वर्ष को विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के साथ मना रहा है। स्वर्गीय पाल्देन थोंडुप नामग्याल, जो 1965 में अपने पिता सर टाशी नामग्याल की मृत्यु के बाद सिक्किम की गद्दी पर बैठे थे, उन्होंने हिमालय की छोटी रियासत पर शासन किया था, जब तक कि एक जनमत संग्रह ने वंशानुगत शासन को समाप्त नहीं कर दिया और सिक्किम को 1975 में भारत का हिस्सा बना दिया।

सेंट जोसेफ, कालिम्पोंग, और बिशप कॉटन स्कूल, शिमला के एक पूर्व छात्र, थोंडुप नामग्याल ने 1949 में अपने पिता को भारत के साथ एक संधि पर बातचीत करने में मदद की थी। यह चीनी आक्रमण से ठीक पहले किया गया जिसने बौद्ध रियासत की चीन से रक्षा की थी। भारत और चीन में 1962 के युद्ध के दौरान एक विवादित सीमा पर जब सिक्किम में नाथू ला दर्रे पर संघर्ष हुआ था उस समय छोग्याल क्राउन प्रिंस थे। सिक्किम के समर्थन से उनकी रियासत में स्थित भारतीय सैनिकों ने चीनी हमले का मुकाला किया और उच्च जमीन हासिल करके सैन्य पर्यवेक्षकों को निर्णायक सामरिक लाभ पाने में मदद की।

थोंडुप नामग्याल ने 1963 में अमेरिका की सोशलाइट होप कुक से शादी की थी। भारत-चीन युद्ध के तत्काल बाद यह शादी हुई थी। उनकी पहली पत्नी, एक तिब्बती रईस साम्यो कुशो संगिदेकी, उनकी दूसरी शादी से छह साल पहले मर गई थी। कुक ने नामग्याल को शासक के रूप में पेश करने के पांच साल बाद 1980 में तलाक दे दिया। पूर्व छोग्याल का दो साल बाद 1982 में कैंसर से जूझते हुए न्यूयॉर्क के एक अस्पताल में निधन हो गया।

जिलाधिकारी ने किया जूनियर हाई स्कूल सिंगलिंग का दौरा

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 22 मई । जिला कलेक्टर-सह-जिला मजिस्ट्रेट, सोरेंग भीम थटाल ने आज सरकारी जूनियर हाई स्कूल सिंगलिंग, सोरेंग का भ्रमण किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने स्कूल हॉल, आईसीटी लैब, नर्सरी क्लास और किचन गार्डन का निरीक्षण किया।

उन्होंने प्राथमिक वर्ग के शिक्षकों के साथ बातचीत की और सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्ले-वे पद्धति और उसके समर्थन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्कूल और बच्चों के समग्र विकास के संबंध में शिक्षण, गैर-शिक्षण संकाय सदस्यों और स्कूल के एसएमसी सदस्यों के साथ बातचीत की। डीसी ने सिंगलिंग जेएचएस को अपनाते हुए स्कूल के बेहतरीन विकास के लिए अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन भी दिया।

उन्होंने सलाह दी कि स्कूल में सुविधाएं हैं, और शिक्षकों पर यह दायित्व है कि वे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करें। गैर-सरकारी स्कूलों को तरजीह देने वाले अधिकांश अभिभावकों और छात्रों के वर्तमान संदर्भ में, उन्होंने एसएमसी और स्कूल के संकाय सदस्यों से सरकारी स्कूल को अपनी पसंद बनाने के लिए छात्रों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उन्होंने छात्रों को सरकारी स्कूलों में शामिल करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-अधिगम सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। जिलाधिकारी एचएम/प्रभारी मनदीप सुब्बा के साथ चर्चा एवं बातचीत के दौरान स्कूल के प्रदर्शन और उपलब्धि पर संक्षिप्त रिपोर्ट साझा की। उन्होंने जिलाधिकारी के साथ स्कूल की जरूरतों और आवश्यकताओं को भी साझा किया। डीसी ने एसएमसी के 1.5 लाख रुपये एकत्र करने के प्रयासों की सराहना की, जिसे उन्होंने स्कूल के चारों ओर बाड़ की दीवार के निर्माण में निवेश किया हैं।

अपने इस भ्रमण के दौरान उन्होंने एमडीएम किचन के जीर्णोद्धार और स्कूल हॉल की मरम्मत को भी मंजूरी दी। सोरेंग जिले ने सरकार के घर-घर शासन पहल के तहत जनता तक पहुंचने के लिए एक स्वीकार्य प्रारूप, आंगनमा (शेष पृष्ठ ०३ पर)

असम में बाढ़ ने मचाई तबाही, अब तक 24 मौतें और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। असम के 22 जिलों में बाढ़ से अभी तक राहत नहीं मिल पाई है। इन जिलों के लगभग 7.20 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन में अब तक कम से कम 24 लोगों की मौत हो चुकी है।

एएसडीएमए ने रविवार को कहा कि 91,518 प्रभावित लोग वर्तमान में राज्य भर में 269 राहत शिविरों में रह रहे हैं। प्रशासन ने 152 राहत वितरण केंद्र भी स्थापित किए हैं। एएसडीएमए ने आगे कहा, भारतीय सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और स्वयंसेवकों की मदद से बाढ़ में फंसे हुए करीब 26,236 लोगों को बचाया गया है।

बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, दरांग, धेमाजी, धुबरी, गोलपारा, गोलाघाट, हैलाकांडी, होजई, जोरहाट, कामरूप, कामरूप (एम), कार्बी आंगलोंग पश्चिम, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, सोनितपुर और उदलगुरी ये वो जिले हैं जहां बाढ़ की वजह से लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे असम में कम से कम 20 बांध टूट गए हैं और कई पुल या तो बह गए हैं या क्षतग्रिस्त हो गए हैं। कई सड़कें धंस गई हैं या वाहनों के लिए अनुपयोगी हो गई हैं जबकि 2,251 बाढ़ वाले गांवों में 43,090 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतग्रिस्त हो गए हैं।

किसानों से बोले केसीआर, आप बदल सकते हैं सरकार, केजरीवाल, भगवंत मान के साथ पहुंचे राकेश टिकैत

चंडीगढ़, 22 मई (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव इन दिनों क्षेत्रीय दलों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही वह 2024 के चुनाव के लिए भूमिका तैयार करने में लगे हुए हैं। रविवार को वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ चंडीगढ पहुंचे। उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने किसानों से कहा कि वे तब तक आंदोलन करते रहें जब तक कि उन्हें एमएसपी की संवैधानिक गारंटी नहीं मिल जाती।

उन्होंने कहा, किसान जब चाहें सरकार बदल सकते हैं। उनके लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा, किसान पूरे देश में आंदोलन करें। हम लोग विपक्षी पार्टियों को साथ लेकर पूरा समर्थन करेंगे। किसानों को इस तरह संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में कदम जमाने की कोशिश शुरू कर दी है। उन्होंने चंडीगढ़ में मृतक किसानों के परिवार वालों को 3-3 लाख रुपये की मदद राशि भी दी।

इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा, किसान आंदोलन पूरे देश के लिए था न कि केवल पंजाब और हरियाणा के किसानों के लिए। केंद्र सरकार स्टेडियम को जेल बना देना चाहती थी। लेकिन हमने ऐसा होने नहीं दिया। यहां तक कि मैं खुद आंदोलन से ही निकला हूं। अन्ना आंदोलन से। सरकार तब भी यही काम करती थी। मैं खुद कई दिनों तक स्टेडियम में रहा।

इस कार्यक्रम में किसान आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे राकेश टिकैत भी पहुंचे थे। केसीआर ने अपने भाषण की शुरुआत में ही उनका नाम लिया। राव ने उर्वरकों की कीमते और एमएसपी को लेकर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश की।

अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए केसीआर ने कहा कि पहले बड़ी संख्या में किसान आंत्महत्या करते थे। बिजली की सुविधा नहीं थी लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद बिजली की समस्या का समाधान किया गया। हम 24 घंटे फ्री बिजली देते हैं। केंद्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब राज्य किसानों के लिए कुछ करने लगते हैं तो उन्होंने अच्छा नहीं लगता है।

बता दें कि इन दिनों केसीआर क्षेत्रीय दलों के नेताओं को साधने में लगे हैं। बीते दिनों उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। अब वह 26 मई को बेंगलुरु में पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा से मिलने वाले हैं।

कांग्रेस को अलग छोड़ 2024 की तैयारी में जुटे केसीआर, पंजाब के किसानों को बांटेंगे मुआवजा

चंडीगढ़, 22 मई (एजेन्सी)। कांग्रेस ने बीते दिनों उदयपुर में तीन दिनों का चिंतन शिविर आयोजित किया था। इसमें पार्टी के बड़े नेता शामिल हुए और 2024 आम चुनाव के लिए रणनीति तैयार की गई। चिंतन शिविर के आखिरी दिन राहुल गांधी ने क्षेत्रीय पार्टियों को लेकर बयान दिया था कि भाजपा को हराना रीजनल पार्टी के बस की बात नहीं है। इस बयान के बाद कांग्रेस के अलग-थलग पड़ने के कयास भी लगाए जा रहे थे। दूसरी तरफ अब तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव कांग्रेस को अलग छोड़कर क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर अलग मोर्चा बनाने की तैयारी में हैं।

केसीआर अब शनिवार को दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और शिक्षा व्यवस्था की तारीफ की। अब वह पंजाब पहुंचकर किसान आंदोलन के दौरान जिन किसानों की जान गई है, उनके परिवारों से मिलने वाले हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि मृतक किसानों के परिवारों को वह 3 लाख रुपये की मदद भी देंगे। उनके साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवल और पंजाब के सीएम भगवंत मान रहेंगे।

केसीआर ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भी मुलाकात की। इसी बीच तेलंगाना कांग्रेस ने केसीआर पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रवक्ता दासोजू श्रवण ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में आत्महत्या करने वाले 8 हजार किसानों को लेकर आंखें बंद कर रखी हैं।

26 मई को केसीआर बेंगलुरु में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा से मिलेंगे। इसके बाद वह महाराष्ट्र में रालेगण सिद्धी जाकर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे से मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है कि अगले सप्ताह वह पश्चिम बंगाल और बिहार भी जाएंगे। वह उन जावनों के परिवारों से भी मुलाकात करेंगे जिनकी जान गलवान घाटी में संघर्ष के दौरान चली गई थी।

केसीआर 2024 के चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने में जुटे हैं। 2019 के चुनाव से पहले भी उन्होंने ऐसा प्रयास किया था लेकिन बात बन नहीं पाई थी।

कॉलेजों को भेजे सर्कुलर में नई भर्ती पर रोक

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। डीयू के असिस्टेंट रजिस्ट्रार द्वारा एक सर्कुलर जारी किया है जिसमें निर्देश दिए गए हैं कि जिन कॉलेजों में रेगुलर (स्थायी) प्रिंसिपल नहीं है वहां पर एडहॉक टीचर्स व कर्मचारियों की नियुक्ति न की जाए। यह शैक्षिक व गैर-शैक्षिक पदों की भर्तियों पर रोक संबंधी सर्कुलर है। अब इस सर्कुलर को वापिस लेने की मांग की जा रही है।

शिक्षक संगठनों का कहना है दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर, कॉलेजों को एडहॉक शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति करने के निर्देश दे ताकि शिक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो।

दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट रजिस्ट्रार द्वारा यह सर्कुलर उन कॉलेजों को भेजा गया है जिन कॉलेजों में ऑफिशिएटिंग या एक्टिंग प्रिंसिपल काम कर रहे हैं। इन कॉलेजों में स्थायी प्रिंसिपल की नियुक्ति न होने तक शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों की कॉन्ट्रैक्ट, एडहॉक या रेगुलर आधार पर किसी तरह की कोई नियुक्ति नहीं होगी । ऑफिशिएटिंग प्रिंसिपलों के अलावा यह सर्कुलर कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैनों को भी भेजा गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) ने वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखकर यह सकरुलर निरस्त करने की मांग की है। डीटीए ने कहा है कि इस तरह के सकरुलर को भेजे जाने से बेरोजगार शोधार्थियों व एससी, एसटी, ओबीसी शिक्षकों में गहरा रोष है। शिक्षकों के मुताबिक पहले ही कॉलेज प्रिंसिपलों ने इन पदों को लंबे समय से नहीं भरा है, जबकि यूजीसी, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और संसदीय समिति खाली पदों को भरने के लिए कई बार निर्देश दे चुका है।

दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) के अध्यक्ष डॉ . हंसराज सुमन ने वाइस चांसलर से कहा है कि है कि डीयू से संबद्ध अधिकांश कॉलेजों ने ओबीसी कोटे के सेकेंड ट्रांच (ओबीसी एक्सपेंशन) के पदों को नहीं भरा है जिसे शैक्षिक सत्र -2022 ●2023 शुरू होने से पहले भरा जाना है। अब यदि इन पदों को नहीं भरते है तो छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी। इतना ही नहीं इन पदों को प्रिंसिपल खत्म कर देंगे जैसे उन्होंने एससी, एसटी व ओबीसी का बैकलॉग व शॉर्टफाल पदों को समाप्त कर दिया। उन्होंने यह भी बताया है कि मार्च से जुलाई के बीच कॉलेजों से बहुत से शिक्षक सेवानिवृत्त हो रहे है यदि उनके स्थान पर एडहॉक शिक्षकों की नियुक्तियां नहीं होंगी तो इस साल से शुरू हो रही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रवेश लेने वाले छात्रों की शिक्षा पर बुरा असर पड़ेगा।

शिक्षकों का कहना है कि डीयू कॉलेजों में एक्टिंग प्रिंसिपल व ऑफिशिएटिंग प्रिंसिपल के समय कॉलेजों में शिक्षकों व कर्मचारियों की स्थायी नियुक्ति व पदोन्नति होती रही है। उन्हें वे सभी पावर दी गई है जो एक स्थायी प्रिंसिपल को मिली हुई है। इसलिए शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्तियों पर किसी तरह की रोक लगाना अव्यवहारिक है। शिक्षकों संगठनों के मुताबिक डीयू के दो दर्जन से अधिक कॉलेजों में प्रिंसिपल के पद खाली है, जिन कॉलेजों ने प्रिंसिपल पदों के विज्ञापन निकाले थे उनकी स्क्रीनिंग होकर उनके स्थायी प्रिंसिपल के लिए इंटरव्यू की तिथि निर्धारित हो रही है। इन कॉलेजों में दयालसिंह कॉलेज, भारती कॉलेज, मिरांडा हाउस, पीजीडीएवी कॉलेज (प्रात) श्री अरबिंदो कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्य) है जिनकी सलेक्शन कमेटी जल्द हो रही है।

राहुल गांधी पर अमित शाह का निशाना, बोले- इटली का चश्मा उतारें, फिर दिखेगा विकास

ईटानगर, 22 मई (एजेन्सी)। कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला था। इसके बाद भाजपा भी हमलावर है। रविवार को अरुणाचल प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस के हमारे दोस्त अकसर कहते हैं कि 8 साल की सरकार में भाजपा ने क्या किया? अगर कोई अपनी आंखें ही बंद कर ले तो क्या वह विकास देख सकेगा?

अमित शाह ने कहा, कांग्रेस के लोग आंखें बंद करके विकास ढूंढ रहे हैं। राहुल बाबा, आप अपनी आंखें खोलिया, इटली के चश्मे उतारकर भारत का चश्मा पहन लीजिए। इसके बाद आपको दिखने लगेगा कि आठ साल में क्या हुआ। इन सालों में हमने पर्यटन का विकास किया, कानून व्यवस्था दुरुस्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पेमा खांडू ने मिलकर वो काम किया जो 50 साल में नहीं हुआ था।

गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों का कई बार दौरा किया और अपने मंत्रियों से भी ऐसा करने को कहा है। यह 14वीं बार है जब मैं यहां आया हूं। आप सोच सकते हैं कि हमारी सरकार पूर्वोत्तर को कितनी प्राथमिकता दे रही है। पूर्वोत्तर में लगभग 9 हजार बागियों ने हथियार डाल दिए। वे अब मुख्य धारा से जुड़ चुके हैं।

बाइक बोट व ग्रैंड वेनिस मॉल घोटाला : दोनों मामलों की सुनवाई अब एक साथ होगी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमे की कार्यवाही कई अदालतों में चलने को व्यापक जनहित के खिलाफ बताते हुए करोड़ों रुपये के कथित बाइक बोट और ग्रैंड वेनिस मॉल घोटालों के संबंध में कई प्राथमिकियों को एकसाथ करने के साथ ही इसके परिणामस्वरूप होने वाली सुनवाई को ग्रेटर नोएडा की एक अदालत में किए जाने की इजाजत दी।

शीर्ष अदालत ने इसके लिए अपने विशेष शक्ति का इस्तेमाल किया। बाइक बोट योजना घोटाले के संबंध में उत्तर प्रदेश में कई लोगों के खिलाफ 100 से अधिक और दिल्ली में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जांच एजेंसी के अनुसार, बाइक टैक्सी सेवा योजना में निवेश पर आकषर्क रिटर्न के झूठे वादे पर दो लाख से अधिक लोगों से कथित तौर पर लगभग 15,000 करोड़ रुपये की ठगी की गई। कथित ग्रैंड वेनिस मॉल घोटाले के सिलसिले में कई लोगों के खिलाफ लगभग 46 प्राथमिकी दर्ज की गईं, जिनमें निवेशकों ने दावा किया कि उन्हें जमीन का ख्रलॉट सौंपने को लेकर आरोपियों द्वारा ठगी की गई। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला की पीठ उन याचिकाओं पर विचार कर रही थी, जिसमें आरोपियों ने जमानत दिए जाने, दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण, प्राथमिकी को एकसाथ करने और सुनवाई एकजगह पर उस स्थान पर करने का अनुरोध किया जहां कथित अपराध किया गया।

उसने कहा, हालांकि, इन रिट याचिकाओं में विविध राहत का अनुरोध किया गया है, पक्षों के लिए पेश विद्वान वकील मोटे तौर पर इससे सहमत हुए हैं कि वे बाइक बोट योजना के संबंध में दर्ज विभिन्न प्राथमिकियों को पुलिस थाना दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में दर्ज मुख्य प्राथमिकी के साथ एकजगह करने की राहत तक सीमित रखेंगे। पीठ ने प्राथमिकियों को एकजगह करने का आदेश देते हुए कहा, हमारा यह भी मानना है कि कई जगह मुकदमे की कार्यवाही जनहित में भी नहीं होगी। उसने टीवी पत्रकार अमीश देवगन के मामले में पारित शीर्ष अदालत के फैसले का भी उल्लेख किया और संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी व्यापक शक्ति का प्रयोग करते हुए घोटाले के दोनों मामलों में प्राथमिकियों को एक जगह करने का आदेश दिया।

आजम खान से मिलने रामपुर पहुंचे तौकीर रजा, बोले- 27 महीने तक हुए हर जुल्म का हिसाब लिया जाएगा

रामपुर, 22 मई (एजेन्सी)। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद अपने घर पहुंचे समाजवादी पार्टी के शहर विधायक आजम खां से मिलने वालों का तांता अभी भी लगा हुआ है। आईएमसी के चेयरमैन तौकीर रजा शनिवार की रात में आजम खां से मिले और उन्होंने उनका हाल जाना। इस दौरान आईएमसी प्रमुख ने कहा कि आजम पर किए जा रहे जुल्मों का हिसाब लिया जाएगा।

सपा के शहर विधायक आजम खां इन दिनों जेल से जमानत पर चल रहे हैं। दो दिन पहले वह रिहा होकर रामपुर पहुंचे हैं। इसके बाद से ही उनसे मिलने वालों का सिलसिला जारी है।

आईएमसी के प्रमुख तौकीर रजा भी शनिवार की रात में सपा के शहर विधायक आजम खां से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। वह यहां करीब घंटे भर तक रहे। इस दौरान उन्होंने शहर विधायक का हाल जाना। शहर विधायक से मिलने के बाद तौकीर रजा ने कहा कि वह यहां अपनी खुशी का इजहार करने आए हैं।

आजम के साथ जो जुल्म-ज्यादती हुई है, उसके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। कहा कि आजम को जो 27 माह जेल में रखा गया है उसका हिसाब लिया जाएगा। कहा कि मैं यह समझता हूं कि आजम खां को नई जिदंगी मिली है। अल्लाह को कोई बड़ा काम लेना है इसलिए अल्लाह ने उनकी जिदंगी बख्श दी है। इस दौरान उनके साथ कई और समर्थक भी मौजूद रहे।

यूपी में पांच वर्षों में पिछले 70 वर्षों से भी ज्यादा निवेश कराया : सीएम योगी

लखनऊ, 22 मई (एजेन्सी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में 70 वर्षों में जितना निवेश नहीं हुआ था, उससे ज्यादा निवेश बीते पांच वर्षों में हुआ है। आगामी तीन जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ आ रहे हैं। उनके माध्यम से 75 हजार करोड़ के निजी निवेश को आगे बढ़ा जाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र पांचजन्य के कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यूपी में अब तक तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है।

कोरोना के चलते जब पूरा देश कराह रहा था तब भी प्रदेश की जनता को बचाने के साथ ही निवेश के लिए काम किए जा रहे थे। कोरोना काल में ही यूपी देश का पहला डिस्पले सेंटर चीन से लेकर आया। नोएडा में डाटा सेंटर स्थापित किया जा रहा है। सिर्फ कोरोना काल में ही यूपी में 65 हजार करोड़ रुपये का निवेश कराया गया।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सपा सरकार पर बिना नाम लिए हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी में वर्ष 2012-17 के बी 700 दंगे हुए थे। अब हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। यही वजह है कि आधी आबादी ने जाति-मज़हब से ऊपर उठकर सरकार का समर्थन किया।

मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला करते हुए कहा कि कई राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद दंगे हुए। राजनीतिक विद्वेष की भावना से सैकड़ों कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुईं। यूपी में रामनवमी भव्यता से मनाई गई। कोई दंगा नहीं हुआ। कोई विवाद नहीं। हनुमान जयंती का कार्यक्रम भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पहली बार ऐसा हुआ कि अलविदा और ईद की नमाज़ सड़कों पर नहीं पढ़ी गई। एक लाख लाउडस्पीकर हटा दिए गए हैं। ये लाउडस्पीकर अब स्कूलों को दान किए जा रहे हैं।

सीएम ने कहा कि यूपी में राष्ट्रवादी सोच की एक ईमानदार सरकार है। देश ने यह देखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोई सरकार कैसे चमत्कारिक परिणाम दे सकती है। देश की चार दर्जन ऐसी योजनाएं हैं, जिनमें यूपी नंबर एक पर है। सत्तर वर्षों में यूपी देश की छठीं अर्थव्यवस्था बन सका था। थी, अब नंबर एक अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। यूपी अब देश में बेहतर कनेक्टेविटी वाला राज्य है। पहले यहां दो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट थे, अब नौ एयरपोर्ट हैं। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट शुरू हो चुका है। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। नोएडा में जेवर में भी इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। यूपी अब पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला पहला राज्य बनने जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव की दौड़ में सिब्बल, आनंद शर्मा और चिदंबरम

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। कांग्रेस अगले महीने होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के बारे में फैसला कर सकती है क्योंकि चुनाव की अधिसूचना इसी सप्ताह जारी की जानी है। कांग्रेस अपने दम पर आठ सीटें जीत सकती है। कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा और पी चिदंबरम जैसे दिग्गज नेता दोबारा नामित किए जाने की उम्मीद में हैं। कपिल सिब्बल जी23 समूह के सबसे अधिक मुखर नेता हैं।

सूत्रों का कहना है कि सिब्बल को पिछली बार की तरह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) का समर्थन मिल सकता है। उन्हें सपा और उसके सहयोगियों के अतिरिक्त वोट मिल सकते हैं। जीत के लिए लगभग 35 मतों की आवश्यकता होती है और अपने तीसरे उम्मीदवार को आवश्यक संख्या में वोट मिलने के बाद सपा गठबंधन के पास लगभग 20 अधिशेष वोट होते हैं। अगर बीजेपी अपना आठवां उम्मीदवार उतारती है तो मुकाबला करीबी हो सकता है।

आनंद शर्मा हरियाणा से चुने जाने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला भी इस सीट के दावेदार हैं। पी चिदंबरम को अपने गृह राज्य तमिलनाडु से फिर से नामांकन मिल सकता है।

पार्टी नेतृत्व से सुलह कराने वाले गुलाम नबी आजाद भी पिछली बार अनदेखी के बाद दौड़ में हैं। सूत्रों का कहना है कि इस बार उन्हें राजस्थान या कर्नाटक में से किसी एक से समायोजित किया जा सकता है।

हालांकि, पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि आधे उम्मीदवार युवा रक्षक और आधे दिग्गजों के होंगे। पार्टी की कई राज्य इकाइयां जैसे राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए पिच कर रही हैं।

कर्नाटक कांग्रेस अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को बढ़ावा देने के लिए प्रियंका को राज्य से राज्यसभा के लिए उतारने पर विचार कर रही है।

कांग्रेस के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इसकी राज्य इकाई के प्रमुख डीके. शिवकुमार और विपक्ष के नेता सिद्धारमैया पहले ही प्रियंका से संपर्क कर चुके हैं।

उन्होंने कथित तौर पर कांग्रेस नेता को समझाया है कि उनकी दादी दिवंगत इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी ने पहले कर्नाटक से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

जहां इंदिरा गांधी ने 1978 में चिकमगलूर से चुनाव लड़ा था, वहीं सोनिया गांधी ने 1999 में बेल्लारी से चुनाव लड़ा था।

राज्य के राजनीतिक क्षेत्र में उनके आगमन ने चुनाव परिणामों के मामले में कांग्रेस के लिए अच्छा काम किया था। इसलिए कांग्रेस अब प्रियंका को राज्य से राज्यसभा के लिए मैदान में उतारना चाहती है।

उत्तर प्रदेश में भीषण सड़क हादसा, 8 लोगों की दर्दनाक मौत

सिद्धार्थ नगर, 22 मई (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले के नौगढ़-बंसी मार्ग पर रविवार को एक एसयूवी कार के खड़े ट्रेलर से टकरा जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में सवार सभी यात्री एक शादी की पार्टी का हिस्सा थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यात्री महला गांव में एक शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। जाहिर तौर पर चालक सो गया और वाहन ट्रेलर से जा टकराया।

सूत्रों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य में मदद की।

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।

राव ने आंदोलन में मारे गए किसानों के परिवारों को दी 3-3 लाख की सहायता

चंडीगढ़, 22 मई (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ चले किसान आंदोलन में मारे गये किसानों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपये की सहायता दी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान उनके साथ थे। किसान आंदोलन के नेता राकेश टिकैत भी इस अवसर पर मौजूद थे।

राव ने किसानों से आह्वान किया कि केंद्र के खिलाफ अपने आंदोलन को तब तक जारी रखें जब तक फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की संवैधानिक गारंटी न मिल जाए।

वह यहां किसान आंदोलन के दौरान मारे गये 600 किसानों के अलावा गलवान घाटी में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम में आये थे।

उनसे पूर्व दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन करने वाले किसानों को स्टेडियमों में रखने यानी स्टेडियम तक सीमित रखने को कह रही थी लेकिन उन्होंने नहीं माना।

यह भारतीयों खेलों को स्वर्ण युग : पीएम मोदी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 22 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थॉमस कप जीतने के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह देश में खेल के इतिहास में एक स्वर्ण युग है और उन्होंने कहा कि वह अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि यह मुकाम पाने के लिए टीम ने किस तरह के दबाव का सामना किया है।

हाल ही में भारत ने 1952, 1955 और 1979 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद बैंकॉक में अपना पहला थॉमस कप जीतने के लिए फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था।

प्रधानमंत्री ने थॉमस कप विजेता टीम और उबेर कप टीम को बैडमिंटन की प्रमुख वैश्विक टीम स्पर्धाओं में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद आमंत्रित किया और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक मोदी के साथ अपनी जीत के क्षणों को साझा किया है।

पीएम ने कहा कि यह सवा सौ करोड़ भारतीयों के सपने को पूरा किया है, जिन्होंने इस पल के लिए सात दशकों तक इंतजार किया है, यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

मोदी ने कहा, 'आप नहीं जानते कि आपने क्या हासिल किया है। जब आप इतने बड़े मंच पर सफलता पाते हैं, तो देश में खेल का पारिस्थितिकी तंत्र बदल जाता है। खेल संस्कृति को बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिलता है। यह देश को आत्मविश्वास से भर देता है।'

मोदी ने यह भी कहा कि भारतीय महिला टीम भले ही इस बार उबेर कप में पदक से चूक गई हो, लेकिन उन्हें विश्वास था कि वे अगली बार इसे जरूर जीतेंगी। महिला टीम में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु भी शामिल थीं, क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हार गईं थीं।

मोदी ने कहा, 'हमारी महिला टीम ने बार-बार दिखाया है कि वे खिलाड़ी के रूप में कितनी अच्छी हैं और मैं इसे बहुत स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि यह केवल समय की बात है, यदि इस बार नहीं, तो निश्चित रूप से अगली बार विजेता होकर ही घर वापसी करेंगी।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि शटलरों के कारनामों से देश की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

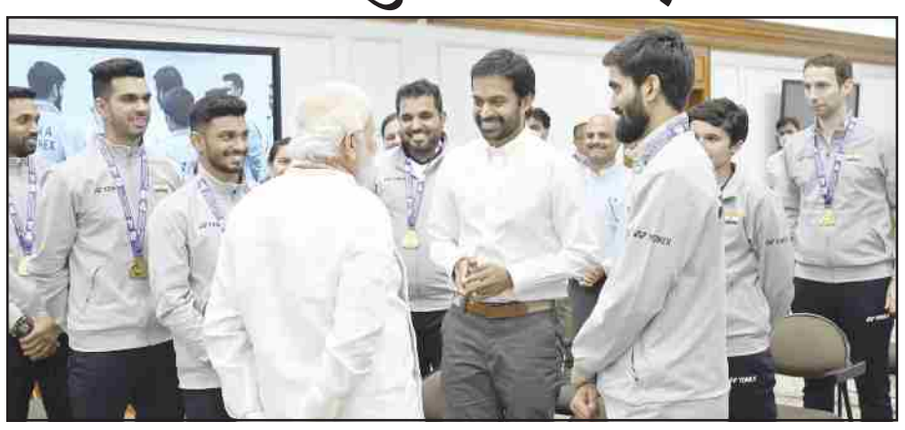

उन्होंने कहा, 'आपको याद रखना होगा कि जीत के बाद उम्मीदें बढ़ जाती है और प्रदर्शन करने का दबाव ही बढ़ेगा। यह कोई बुरी बात नहीं है। किसी को दबाव के आगे नहीं झुकना चाहिए, हमें दबाव को सकारात्मक ऊर्जा अपनी ताकत में बदलना होगा और मुझे विश्वास है कि आप इसे करेंगे।'

पीएम ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वे वास्तव में बड़े पैमाने पर सामने आए हैं और उन्होंने अपनी अपेक्षाओं को पार करने की कोशिश की है।

पीएम ने इसे भारतीय खेलों का स्वर्ण युग करार दिया और मौजूदा एथलीटों को इसका श्रेय दिया। पीएम ने कहा, 'यह भारतीय खेलों का स्वर्ण युग है, जिसके निमार्ता आप सभी और आपकी पीढ़ी के खिलाड़ी हैं।'

उन्होंने यह भी कहा कि यह एक अलग स्तर पर प्रतिबद्धता लेने का समय है। मोदी ने कहा, 'हमें इस जीत की गति को जारी रखना है। हमें इसे नीचे नहीं जाने देना चाहिए। सरकार आपके प्रयास में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी, हर संभव मदद की जाएगी। मैं पूरे देश के एथलीटों को बताना चाहता हूं कि हमें यहीं रुकने की जरूरत नहीं है। हमें अपना लक्ष्य निर्धारित करना है और विजयी होकर स्वदेश लौटना है।'

राहुल गांधी देश के सबसे निराश और हमाश नेता : शिवराज

भोपाल, 22 मई (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोलते हुए उन्हें देश का सबसे असफल, हताश और निराश नेता करार दिया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने पिछले दिनों राहुल गांधी द्वारा देश से बाहर दिए गए एक बयान कर जिक्र करते हुए कहा, राहुल गांधी देश के सबसे असफल, कुंठित, हताश व निराश नेता हैं।

विदेशी धरती पर जाकर कोई देशभक्त नेता राहुल गांधी की तरह बयान नहीं देता, देश विरोधी बयान नहीं देता। अब उनका देश में कोई बयान नहीं सुनता, इसलिए अपनी निराशा और हताशा विदेश में निकाल रहे है।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए चौहान ने कहा, यह बयान देकर राहुल गांधी ने अपनी देश भक्ति और राष्ट्र निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने अपनी एक अमेरिकी यात्रा को याद किया और बताया, जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब मै यूएसए की यात्रा पर था, तो पत्रकारों ने पूछा था कि क्या भारत के प्रधानमंत्री अंडर एचीवर हैं, तब मैंने कहा था कि वह कांग्रेस के नहीं भारत के प्रधानमंत्री हैं, भारत का प्रधानमंत्री अंडर एचीवर नहीं हो सकता, हमने कभी भी विदेश जाकर देश की आलोचना नहीं की।

राहुल गांधी पर तंज कसते हुए चौहान ने कहा, एक कुंठित, हताश और निराश व्यक्ति से क्या अपेक्षा की जा सकती है। आश्चर्य है इसी नेता को कांग्रेस के कुछ नेता कांग्रेस का अध्यक्ष बनने की मुहिम चलाए हुए हैं। फिर तो कांग्रेस का भगवान ही मालिक है।

विपक्ष के पास मंदिर-मस्जिद विवाद का सामना करने का कोई मजबूत एजेंडा नहीं

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत पूर्ण बहुमत की सरकार का बीजारोपण पार्टी के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने साल 1990 में अपनी रथयात्रा के दौरान ही कर दिया था।

सोमनाथ से अयोध्या तक के लिए निकली आडवाणी की इस रथयात्रा ने भाजपा के विस्तार में मदद की। साल 1984 के लोकसभा चुनाव में महज दो सीट पर सिमटी भाजपा रथयात्रा के बाद 1991 के चुनाव में करीब 120 लोकसभा सीटों पर विजयी रही।

अयोध्या ने भाजपा को पांच-पांच बार सत्ता में आने का मौका दिया। भाजपा के दिग्गज नेता अटल बिहारी की अगुवाई में पहली बार साल 1996 में 13 दिन की, दूसरी बार साल 1998 में 13 माह की और फिर 1999 में पांच साल की गठबंधन सरकार सत्ता में रही। इसके बाद आया साल 2014, जब भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में आई और उसने 2019 के चुनाव में भी अपनी जीत की गति बरकरार रखी।

साल 2014 और साल 2019 का लोकसभा चुनाव, जहां भाजपा को अर्श पर पहुंचाने में कामयाब रहा, वहीं दूसरी तरफ इसने कांग्रेस को फर्श पर पहुंचा दिया।

रथयात्रा एक धार्मिक यात्रा थी, लेकिन इसका लक्ष्य राजनीतिक था। आडवाणी ने यह रथयात्रा बाबरी मस्जिद के स्थान पर राम मंदिर निर्माण की मांग कर रहे विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्थन में निकाली थी।

इसी यात्रा के बाद बाबरी मस्जिद को ढहा दिया गया और अब उस जगह पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मंदिर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही मस्जिद के निर्माण के लिए प्राइम लोकेशन पर पांच एकड़ जमीन मुहैया कराए जाने का आदेश भी उत्तर प्रदेश सरकार को दिया था।

अब जब बाबरी मस्जिद के विवाद का निपटारा हो चुका है तो ज्ञानवापी मस्जिद विवाद सुर्खियां बटोर रहा है। कांग्रेस ने इसे भाजपा की मुद्दों से भटकाने की नीति कहा है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक विनोद शुक्ला इस पर बिल्कुल जुदा राय रखते हैं।

शुक्ला का कहना है कि भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इस तरह का कोई मुद्दा उठाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हिंदू पहले ही जागृत हो गए हैं। इस बात का परिणाम 2019 का लोकसभा चुनाव का नतीजा है। भाजपा बहुत मजबूत है और उसे ऐसे भावनात्मक मुद्दों को भुनाने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि अन्य जगहों पर भी यह मामला उठ रहा है, क्योंकि अब समुदाय के अंदर यह बात आ गई है कि अतीत में की गई गलतियों को अब ठीक किया जाना चाहिए।

दूसरे विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने असली मुद्दों को पीछे की सीट पर रख दिया है और मीडिया भी इसमें सहयोगी रहा है। राजनीतिक विश्लेषक शकील अख्तर ने कहा कि भाजपा को महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जवाब देना चाहिए ।

उन्होंने कहा कि किसी भी भावनात्मक मुद्दे का राजनीति पर प्रभाव रहता है और भाजपा के पास बहुमत है और उसके पास सभी संसाधन हैं। ऐसे में वह मौके का लाभ उठाएगी।

अगला लोकसभा चुनाव 2024 में है और तब तक इस माहौल को बनाए रखना भाजपा के हित में है। भाजपा पहले ही राममंदिर का पूरा क्रेडिट ले चुकी है।

एक तरफ भाजपा इस मुद्दे को लेकर इतनी मजबूती से खड़ी है लेकिन दूसरी तरफ कांग्रेस के पास इसे चुनौती देने का कोई मजबूत एजेंडा नहीं है। हाल में संपन्न हुए कांग्रेस के चिंतन शिविर में पार्टी ने हिन्दुत्व के मुद्दे पर चर्चा की, लेकिन ज्ञानवापी को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई।

लाउडस्पीकर विरोधी अभियान जारी रहेगा : राज ठाकरे

पुणे, 22 मई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा है कि वह 1 जून को घुटने और पीठ की समस्याओं के लिए सर्जरी करवाएंगे, लेकिन पार्टी का 'लाउडस्पीकर विरोधी' आंदोलन रविवार को भी जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे ने एक रैली में कहा कि 1 जून को मेरी कूल्हे की हड्डी की सर्जरी होगी, कुछ समय से पैरों में और पीठ में भी दर्द हो रहा है।

सर्जरी के बाद, वह कुछ महीनों में ठीक हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने राज्य में मस्जिदों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ चल रहे एमएनएस के आंदोलन पर 'सभी हिंदू बहनों और भाइयों' को एक पत्र लिखने का वादा किया है।

राज ने दावा किया कि महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार, सुबह-सुबह लाउडस्पीकरों पर 'अजान' बजाना बंद हो गया है, यह एमएनएस के कारण है। अगर वे फिर आवाज तेज करते हैं, तो हमारा अभियान फिर से शुरू किया जाएगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर 'हनुमान चालीसा' आंदोलन की योजना के लिए राणा दंपत्ति - निर्दलीय सांसद नवनीत कौर-राणा और उनके विधायक पति रवि राणा पर भी कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा कि मैंने जो कहा था कि लाउडस्पीकर पर अजान की आवाज में मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा बजाई जाएगी। राणा दंपत्ति को मातोश्री जाने की क्या जरूरत थी - क्या यह मस्जिद है?

राज ठाकरे ने उत्तर भारतीय समुदायों के खिलाफ अपने 2008 के आंदोलन को भी सही ठहराया और यह दोहराते हुए कहा कि वे मराठी स्थानीय युवाओं को रेलवे में नौकरियों से वंचित कर रहे है।

एमएनएस प्रमुख 5 जून को अयोध्या की यात्रा पर जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन पिछले हफ्ते उन्होंने अचानक इसे रद्द कर दिया, और इसे पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना गया।

बहुत सी अटकलें थीं कि क्या कुछ स्वास्थ्य मुद्दों के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई थी और उन्होंने खुद रविवार को रिकॉर्ड सही किया।

इससे पहले, उन्हें अयोध्या दौरे को रद्द करने पर सत्तारूढ़ शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-कांग्रेस, और अन्य दलों सहित कई राजनेताओं से कटाक्ष का सामना करना पड़ा, खासकर तब जब से राज्य में 'लाउडस्पीकर विरोधी' मामला चरम पर आया है।

जिलाधिकारी ने किया .....

प्रशासन की अवधारणा और पहल की है। अधिकारियों द्वारा स्कूलों को स्वीकार्य मिलना इस पहल के घटकों में से एक है। सोरेंग जिले के अधिकारियों द्वारा स्कूलों को स्वीकार लेने के पहल का उद्देश्य शैक्षणिक और स्कूल पर्यावरण क्षेत्रों में स्कूलों के सर्वांगीण विकास में शामिल होना है।

सोरेंग जिले के सभी मजिस्ट्रेट और बीडीओ ने स्कूलों को स्वीकार्यता दी है। इस संदर्भ में बीडीओ और एसडीएम उनके द्वारा स्वीकार लिए गए स्कूलों का भ्रमण कर रहे हैं। सोरेंग कलेक्ट्रेट जल्द ही जिले के अधिकारियों द्वारा स्कूलों को स्वीकार लेने के दिशा-निर्देशों को अधिसूचित करेगा। डीसी थटाल ने सभी विभागों के प्रमुखों को स्कूलों का भ्रमण करने और कम से कम एक दिन स्कूल में बिताने का भी निर्देश दिया है ताकि छात्रों और शिक्षकों को उनके विभागों के सार्वजनिक लाभ के कार्यों, कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में सूचित किया जा सके। इससे छात्रों और शिक्षकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि एक विशेष विभाग इसके तहत आवंटित व्यवसाय क्या करता है और विभाग कैसे कार्य कर उसे प्रदर्शित करता है।

भारत-जापान संबंधों को मजबूत करने के लिए बातचीत करेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत बातचीत करेगा। मोदी ने अपनी जापान यात्रा से पहले एक बयान में कहा, 'मैं जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा के निमंत्रण पर 23-24 मई 2022 तक टोक्यो, जापान का दौरा करूंगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मार्च 2022 में उन्होंने 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान के प्रधानमंत्री किशिदा की मेजबानी की। अभी 2 महीने पहले, मार्च में, मुझे भारत में पीएम फूमियो किशिदा की मेजबानी करने का सम्मान मिला था। मुझे विश्वास है कि यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को बढ़ाएगी। मैं जापानी कारोबारी नेताओं और वहां के भारतीय समुदाय से भी बातचीत करूंगा।'

उन्होंने कहा, 'हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।'

साथ ही कहा कि भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। मार्च शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री किशिदा और उन्होंने जापान से भारत में अगले पांच वर्षों में सार्वजनिक और निजी निवेश और वित्तपोषण में जापानी पांच ट्रिलियन येन का एहसास करने की अपनी मंशा की घोषणा की थी।

'आगामी यात्रा के दौरान, मैं इस उद्देश्य से हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लक्ष्य के साथ जापानी व्यापार जगत के नेताओं से मिलूंगा।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि जापान में वह क्वाड लीडर्स समिट में भी भाग लेंगे, जो चार क्वाड देशों के नेताओं को क्वाड पहल की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगा।

मोदी ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। मोदी ने कहा, 'अमेरिका के साथ अपने बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। हम क्षेत्रीय विकास और समकालीन वैश्विक मुद्दों पर भी अपनी बातचीत करेंगे।'

नव-निर्वाचित ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज का जिक्र करते हुए, (जो पहली बार क्वाड लीडर्स समिट में शामिल होंगे) मोदी ने कहा, 'मैं उनके साथ एक द्विपक्षीय बैठक की आशा करता हूं, जिसके दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक सहयोग के तहत बहुआयामी सहयोग होगा। रणनीतिक साझेदारी और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।'

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR OSTRICH EVENING
Draw No:177 DrawDate on:21/05/22
1st Prize ₹1 Crore/- 50A 73610
Cons. Prize Rs.1000/- 73610 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02344 05735 07138 09350 17207 20549 41686 92258 94497 96423
3rd Prize ₹450/-
1679 1958 4888 6988 7001 8403 8437 9027 9736 9928
4th Prize ₹250/-
0422 2080 4545 4654 4915 6163 6848 6921 7002 7241
5th Prize ₹120/-
0144 0511 0518 0610 0687 0918 0992 1237 1371 1422
1550 1695 2139 2146 2157 2160 2314 2505 2512 2556
2577 2596 2630 2667 2772 2881 2893 3039 3105 3114
3172 3285 3307 3435 3644 3681 3808 3879 4041 4118
4194 4267 4338 4728 4925 4942 5092 5102 5187 5260
5320 5339 5348 5352 5419 5580 5588 5797 5920 5996
6003 6133 6240 6282 6283 6501 6767 6816 6940 6998
7008 7047 7180 7244 7258 7371 7415 7578 7664 7703
7829 7886 7920 8078 8106 8196 8441 8481 8587 8694
8982 8993 9110 9128 9341 9345 9501 9564 9978 9982
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
Draw No:77 DrawDate on:22/05/22
1st Prize ₹1 Crore/- 83A 19489
Cons. Prize Rs.1000/- 19489 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01247 05564 09919 13639 14243 14857 26546 38350 79261 95064
3rd Prize ₹450/-
0139 1713 2316 2381 4542 4869 5626 8382 9045 9630
4th Prize ₹250/-
0295 0356 1151 3117 3249 5704 5858 6128 7633 9787
5th Prize ₹120/-
0025 0081 0106 0255 0357 0568 0570 0605 0647 0730
0837 0922 1167 1409 1488 1491 1628 1768 1837 2052
2137 2200 2284 2471 2564 2629 2635 2738 2779 2780
2852 3044 3153 3296 3405 3406 3619 3881 3898 3907
4103 4480 4530 5006 5059 5088 5366 5491 5512 5633
5671 5726 5758 5785 5910 6056 6088 6094 6123 6153
6264 6478 6547 6666 6838 7047 7242 7249 7340 7571
7696 7729 7784 7872 8013 8034 8071 8163 8180 8223
8284 8418 8434 8536 8788 8798 8917 8925 8984 8999
9141 9190 9198 9225 9327 9426 9487 9538 9643 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MARS SATURDAY
Draw No:77 DrawDate on:21/05/22
1st Prize ₹1 Crore/- 84K 73249
Cons. Prize Rs.1000/- 73249 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03747 21319 42320 45918 46723 53103 68366 80742 92780 94955
3rd Prize ₹450/-
1058 1104 1667 1722 4675 4895 4938 7201 7536 8900
4th Prize ₹250/-
0827 1288 1875 2457 4337 5121 5239 6042 6116 6426
5th Prize ₹120/-
0000 0080 0322 0367 0390 0640 0653 0786 0914 0995
1148 1216 1299 1395 1404 1473 1704 1844 1893 1932
1997 2301 2428 2629 2678 2843 3149 3196 3606 3660
3824 4219 4262 4477 4502 4641 4783 4812 4868 4897
5029 5050 5102 5171 5201 5328 5354 5418 5421 5873
5880 6007 6022 6191 6257 6259 6293 6444 6481 6624
6677 6763 6764 6799 6906 6914 6926 6935 7191 7243
7278 7302 7448 7603 7627 7904 7910 7921 8090 8099
8241 8248 8269 8492 8503 8520 8621 8629 8762 8971
9047 9109 9292 9344 9427 9573 9584 9640 9801 9991
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
Draw No:177 DrawDate on:22/05/22
1st Prize ₹1 Crore/- 89L 21567
Cons. Prize Rs.1000/- 21567 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02438 19517 30933 49136 66943 70082 86283 89828 93926 95092
3rd Prize ₹450/-
0108 1543 2522 2709 2957 4658 5898 6483 8573 9965
4th Prize ₹250/-
2264 2402 2407 3091 4724 5099 6579 6989 7122 8975
5th Prize ₹120/-
0092 0175 0638 0789 0984 1053 1110 1229 1529 1578
1609 1629 1634 1680 1957 1962 1988 2064 2137 2247
2471 2478 2573 2788 3011 3273 3373 3492 3518 3586
3629 3692 3819 3945 3960 3982 3997 4017 4066 4100
4110 4121 4147 4201 4579 4826 4873 4905 4958 5063
5067 5069 5109 5137 5271 5370 5499 5537 5578 5676
5709 5713 5747 5835 6004 6076 6084 6105 6186 6230
6364 6415 6504 6654 6672 6850 6907 7312 7344 7349
8049 8128 8141 8308 8325 8661 8716 8759 8821 8842
8865 8960 9015 9128 9264 9418 9708 9717 9816 9855
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR KOSAI MORNING
Draw No:77 DrawDate on:21/05/22
1st Prize ₹1 Crore/- 57C 41220
Cons. Prize Rs.1000/- 41220 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
11607 32785 47176 51697 53851 55000 61519 75249 84465 99420
3rd Prize ₹450/-
1625 1818 1969 2773 4413 4908 5839 5923 7258 8565
4th Prize ₹250/-
0273 0516 1663 4025 4693 5248 5891 6261 9121 9437
5th Prize ₹120/-
0059 0075 0244 0246 0276 0524 0635 0650 0841 0880
1004 1230 1253 1316 1451 1505 1656 1703 2187 2189
2203 2261 2512 2551 2680 2702 2745 2841 2942 2992
3022 3072 3248 3250 3257 3314 3348 3494 3503 3689
3907 3955 4011 4033 4256 4257 4293 4311 4314 4341
4625 4695 4723 4730 4848 4916 5069 5281 5296 5341
5382 5495 5561 5658 5746 5866 5927 6125 6166 6174
6942 7080 7084 7171 7172 7230 7356 7376 7463 7557
7855 8021 8131 8158 8442 8490 8502 8507 8646 8698
8705 8975 9215 9250 9272 9544 9576 9605 9753 9890
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
Draw No:77 DrawDate on:22/05/22
1st Prize ₹1 Crore/- 92J 22077
Cons. Prize Rs.1000/- 22077 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02285 05043 09591 14622 18839 36150 56763 66080 80668 84349
3rd Prize ₹450/-
0261 0770 1268 1509 1977 3328 3891 6183 9259 9916
4th Prize ₹250/-
2345 3024 4657 4719 6462 7260 8479 9218 9758 9934
5th Prize ₹120/-
0023 0080 0179 0257 0266 0394 0426 0670 0713 0734
0820 0835 1162 1169 1186 1243 1344 1412 1970 2211
2347 2468 2542 2565 2606 2649 2696 2825 2958 3105
3169 3215 3231 3274 3383 3386 3475 3483 3563 3651
4022 4208 4251 4284 4307 4391 4469 4531 4565 4576
4918 5207 5285 5306 5356 5402 5432 5486 5602 5667
5838 5938 6021 6034 6140 6246 6435 6441 6530 6567
6892 6897 6938 7003 7086 7147 7167 7193 7228 7235
7300 7334 7429 7704 7722 7941 8015 8246 8351 8366
8372 8578 8768 9324 9428 9478 9495 9649 9680 9695
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

काशी का ज्ञानवापी

सुप्रीम कोर्ट ने बहुचर्चित ज्ञानवापी मामले की सुनवाई जिस तरह वाराणसी की सिविल अदालत के बजाय जिला अदालत को सौंपी और उसे आठ हफ्ते में सुनवाई पूरी करने को कहा, उससे यही प्रतीत होता है कि वह इस मामले का जल्द निस्तारण चाहता है। वास्तव में ऐसा ही होना चाहिए। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील प्रकरण है, इसलिए यह सभी के हित में है कि इस मामले का जितनी जल्दी संभव हो, समाधान किया जाए। नि:संदेह ऐसा न्यायपालिका की सक्रियता से ही संभव है। इस मामले में न्यायपालिका के स्तर पर वैसी देरी नहीं होनी चाहिए, जैसी अयोध्या मामले में हुई और जिसके नतीजे अच्छे नहीं रहे।

एक उपाय यह भी है कि आस्था से जुड़े इस तरह के मामले आपसी संवाद और सहमति से हल करने की कोई ईमानदार कोशिश हो। इससे सामाजिक सद्भाव को बल मिलने के साथ ही राष्ट्रीय एकता का भाव भी प्रबल होगा। अयोध्या मामले में ऐसा नहीं हो पाया था तो इसीलिए कि स्वस्थ संवाद के बजाय वाद-विवाद को ज्यादा तूल दिया गया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अयोध्या मामले को आपसी बातचीत से हल करने में कई राजनीतिक दल बाधक बने थे। उनका स्वार्थ इसी में था कि किसी तरह इस विवाद का समाधान न होने पाए। कम से कम इस बार ऐसे राजनीतिक दलों को अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए।

यह सही है कि काशी का ज्ञानवापी प्रकरण अयोध्या मामले से भिन्न है और इसके संदर्भ में 1991 में बनाए गए धर्मस्थल कानून को भी रेखांकित किया जा रहा है, जो यह कहता है कि सभी धार्मिक स्थल उसी स्थिति में रहेंगे, जिसमें वे 15 अगस्त 1947 को थे, लेकिन इस कानून में कुछ अपवाद भी हैं। यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले की सुनवाई करते हुए यह कहा कि किसी स्थल के धार्मिक चरित्र यानी उसके रूप-स्वरूप का आकलन प्रतिबंधित नहीं है। इससे यही स्पष्ट होता है कि सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी की सिविल अदालत के उस फैसले को सही पाया, जिसमें उसने ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण का आदेश दिया था।

आर्थिक विकास के अगले आठ साल

उपेन्द्र राय

बीती 16 मई को केंद्र में राजनीतिक बदलाव के 8 साल पूरे हो गए। इस बदलाव को देश दुनिया में भारत के लिए आमूल-चूल परिवर्तन के रूप में देखा गया। उम्मीदों और अपेक्षाओं के रथ पर सवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर देश ने 2019 में दोबारा भरोसा भी जताया।

इन सबके बीच स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहे देश के सामने कई चुनौतियां दस्तक दे रही हैं। दो साल पहले शुरू हुई कोरोना महामारी ने सभी देशों का गुणा-गणित बिगाड़ दिया। भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। खासकर अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर। तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद सवाल है कि क्या वर्तमान दशक के समाप्त होते-होते हम खुद को वि पटल पर बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित कर पाएंगे?

दशक समाप्त होने के लिहाज से हमारे पास अभी आगे 8 साल का वक्त और है, और चुनौती उस सफर को आगे ले जाने की है, जो इस सरकार के कार्यकाल में 8 साल पहले शुरू हुआ था। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत की थी तब भारत वि की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश था। तब से अब तक 40 फीसद की तरक्की करते हुए भारत छठे पायदान पर पहुंच गया है। इस अवधि में 53 फीसद ग्रोथ के साथ केवल चीन ही हम से आगे रहा। लेकिन भविष्य में स्थितियां तेजी से बदलने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में 2022 में भारत के लिए 8.2 फीसद की काफी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो चीन के लिए अनुमानित 4.4 फीसद की तुलना में लगभग दोगुनी तेज है।

आर्थिक सेहत पर आईएमएफ के इस ताजे आकलन में भारत के लिए अनुमानित उच्च विकास दर केवल हमारे देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए सकारात्मक खबर है। इसका बड़ा श्रेय कोविड-19 के सफल व्यापक आर्थिक प्रबंधन को दिया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूत सुधार हुआ है। इतना कि जिसके कारण देश मौजूदा यूक्रेनी संकट में भी आर्थिक नतीजों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है जबकि वैकि अर्थव्यवस्था इस झटके के कारण बहुत मुश्किल हालात में पहुंच गई है। यह प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की पहल को मजबूती देता है जिसके कारण देश ने बिना झुके, बिना ठिठके महामारी के कहर को न केवल झेला, बल्कि उसमें भी खुद के साथ-साथ समूचे वि को आगे लेकर जाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

सवाल यह है कि यह यात्रा आगे सुगम होने वाली है या इसमें अभी और संघर्ष बाकी है? अगले आठ साल में हमारी आर्थिक दिशा और दशा क्या रहने वाली है? साल की शुरु आत में आई आईएचएस मार्किट की रिपोर्ट इस पर काफी रोशनी डालती है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत साल 2030 तक जापान को पीछे छोड़कर एशिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और जर्मनी-ब्रिटेन से आगे निकलकर दुनिया की नंबर-3 की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इस दौरान भारत की जीडीपी 2021 की 2.7 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 8.4 ट्रिलियन डॉलर हो जाने का अनुमान है। आर्थिक विस्तार की लंबी अवधि के इस दृष्टिकोण को कई प्रमुख वजहों से ताकत मिल रही है। एक महत्त्वपूर्ण सकारात्मक कारण भारत का बड़ा और तेजी से बढ़ रहा मध्यम वर्ग है, जो उपभोक्ता खर्च को चलाने में मदद कर रहा है। अनुमान है कि इससे देश का खपत व्यय 2020 के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले 2030 में बढ़कर 3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार के साथ-साथ नई औद्योगिक क्रांति ने भारत को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में निवेश का महत्त्वपूर्ण केंद्र बना दिया है। संयोग से भारत के पास अपनी कुशल और अकुशल श्रम शक्ति के आकार के आधार पर वैकि कंपनियों को आकर्षित करने का अवसर भी है क्योंकि कोविड-19 के अनुभवों के बाद वे खुद चीन के बाहर विकल्पों की तलाश में हैं।

दिलचस्प बात यह है कि महामारी ने अगर हमारी विकास यात्रा को धीमा किया, तो इसने हमें नये सबक भी सिखाए। सप्लाई चेन में लचीलापन लाने के सरकार के दूरदर्शी फैसले ने आज भारत को वैकि विनिर्माण केंद्र बनने की दहलीज पर ला खड़ा किया है। यह लचीलापन मेक इन इंडिया से लेकर प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में सरकार की ओर से की गई विभिन्न पहल में भी दिखता है। 14 क्षेत्रों में लगभग 37 अरब डॉलर वाली पीएलआई योजना ने विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत के दावे को और सशक्त किया है। साल 2030 के ही आउटलुक से जुड़ी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट बताती है कि इस पहल के कारण भारत अगले एक दशक में विनिर्माण के क्षेत्र में 1 ट्रिलियन डॉलर के अपने लक्ष्य में 500 बिलियन डॉलर और जोड़ सकता है। इसलिए बात केवल हमारे आत्मनिर्भर होने की नहीं, बल्कि वैकि बाजार की हम पर निर्भरता को पूरा करने की भी है।

अपार संभावनाएं अपार प्रश्न भी खड़े करती हैं। क्या विनिर्माण क्षेत्र अगले दशक के आर्थिक विकास में वही भूमिका निभा सकता है जो सेवा क्षेत्र ने पिछले दो दशकों में विकास का नेतृत्व कर निभाई? देश इस यात्रा के लिए तैयार है? लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाने से पहले हमें कम-से-कम तीन क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है। इस क्रम में पहली वरीयता श्रम सुधार और रोजगार की होनी चाहिए। बीते दिनों में रोजगार के मोर्चे पर देश ने चार दशकों से भी अधिक समय के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर को देखा है। जनसांख्यिकीय लिहाज से इसने युवा देश होने की हमारी पहचान से लेकर ताकत और विकास की तमाम संभावनाओं पर कुठाराघात किया है। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट के अनुसार 2023 और 2030 के बीच सकल घरेलू उत्पाद की 8-8.5 फीसद वृद्धि हासिल करने के लिए शुद्ध रोजगार दर को 2023 से 2030 तक प्रति वर्ष 1.5 फीसद बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार को खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, धातु, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम प्रधान सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए उपाय करने होंगे। अच्छी बात यह है कि सरकार न केवल इस दिशा में सोच रही है, बल्कि उसकी सोच में श्रम सुधारों को भी पर्याप्त जगह मिलती दिख रही है।

दूसरी वरीयता समावेशी और समन्वित विकास को गति देने के लिए बड़े पैमाने पर औद्योगिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने की होनी चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाली भूमि, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी, बिजली की समुचित सप्लाई आज के दौर की प्रतिस्पर्धी सप्लाई चेन और सफल औद्योगिक ढांचे की आवश्यकता बन चुकी है। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) और गतिशक्ति में इसी तरह की पहल दिखती है, लेकिन इनका फायदा भी तभी मिलेगा जब इन योजनाओं को समन्वित और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

साल 2030 के लिए तय लक्ष्य पूरा करने के लिए हमें तीसरी वरीयता के रूप में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की परिकल्पना को भी सच्चे अथरे में जमीन पर उतारना होगा। इसके तहत निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां बनाने और वैकि नेटवर्क के साथ तालमेल के लिए उनकी मदद करने जैसे कदम शामिल हैं। राष्ट्रीय एकल खिड़की पण्राली (एनएसडब्ल्युएस) और डीपीआईआईटी द्वारा संचालित पोर्टल इस दिशा में अच्छी पहल है। लेकिन निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए घरेलू मोर्चे पर शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखना भी महत्त्वपूर्ण होगा। वैसे अशांति को लेकर आमजन और कारोबारियों की समझ में थोड़ा बुनियादी फर्क होता है। दंगे-फसाद पर समाज तुरंत प्रतिक्रिया देता है, लेकिन निवेशक-कारोबारी इससे तब तक अप्रभावित बने रहते हैं, जब तक इसकी आंच उनके दरवाजे तक नहीं पहुंच जाती। इसे दंगे-फसाद के समर्थन में कोई सफाई नहीं समझा जाना चाहिए क्योंकि देर-सबेर समाज के हर तबके को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

एक बुनियादी समस्या और है, जो अगले दशक को अपना बनाने की राह में रोड़ा डाल सकती है। हमारा 87 फीसद मानव कार्यबल आर्थिक दृष्टि से बेहद कम उत्पादक कायरे में फंसा हुआ है। इसका बड़ा हिस्सा कृषि और 20 से कम श्रमिकों वाले अति सूक्ष्म उद्यमों में है। परंपरागत कृषि के माध्यम से किसानों की आय अब नहीं बढ़ने जा रही है। इनके लिए भी विनिर्माण और सेवाओं में नये अवसर पैदा करने की चुनौती रहेगी। ऐसे में अगले 10 साल भारत के आर्थिक इतिहास में परिवर्तनकारी हो सकते हैं, क्योंकि अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो भारत 2030 और 2040 के दशक में आर्थिक महाशक्ति बनने के अपने सपने को पूरा कर सकता है।

इस मायने में 2020 के दशक के बचे आठ साल बेहद महत्त्वपूर्ण होंगे जिसमें सभी प्रयासों का एक ही लक्ष्य होगा जो खोया है, उसे न केवल दोबारा पाना है, बल्कि सबसे आगे भी ले जाना है।

आईपीएल में ईवीएम जैसा कुछ

विभांशु दिव्याल

झल्लन बोला, ददाजू, पता नहीं इस मुल्क में क्या पक रहा है, सोचते-सोचते हमारा दिमाग थक रहा है। हमने कहा, पता नहीं जाने तू क्या बक रहा है, आखिर क्या सोचते-सोचते तेरा दिमाग थक रहा है?

वह बोला, पहले तो मोदी केंद्र की सरकार कब्जिया लिये, देशभर में हिंदुत्व के झंडे लहरवा दिये, विपक्षियों की नींद हराम करवा दिये और कोढ़ में खाज ये कि यूपी के योगी को भी पीछे लगवा लिये। अब देखिए, क्या-क्या गुल खिल रहे हैं, हमारे गरीब लोकतंत्र के पाये हिल रहे हैं। हमने कहा, तू तो ऐसे कह रहा है जैसे मोदी ने दिल्ली पर हमला कर दिया हो और उस पर जबरन कब्जा कर लिया हो। अरे भाई, देश में लोकतंत्र है, चुनाव प्रणाली है, मतदाता हैं, मतदाताओं के अधिकार हैं, अधिकारों का वे अपनी मर्जी से उपयोग कर सकते हैं, जिसको हटाना चाहें हटा सकते हैं और जिसको जिताना चाहें जिता सकते हैं। अगर जनता ने केंद्र में मोदी को और यूपी में योगी को चुन लिया है, उन्हें दिल्ली और यूपी की गद्दी पर बिठा दिया है तो कौन सा पाप कर दिया है? लोकतंत्र में जनता महान होती है, जनता का फैसला महान होता है, फिर जनता के फैसले पर किसी के पेट में दर्द क्यों होता है?

झल्लन बोला, देखिए ददाजू, जो जनता विपक्षियों का ध्यान नहीं रख सकती वह हमारी नजर में महान नहीं हो सकती। दिल्ली में कांग्रेसियों से पूछिए और लखनऊ में समाजवादियों से पूछिए तो बताएंगे कि मोदी-योगी जनता को किस कदर बरगलाए हैं, ईवीएम से कैसे अपने जिताऊ वोट निकलवाए हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कैसे बुलडोजर चलवाए हैं। हमने कहा, देख झल्लन, विपक्ष का काम तो मोदी-योगी के विरुद्ध अपनी चिढ़ को पोषना है सो पोषते रहेंगे, न अपनी गलतियां देखेंगे, न अपने गिरेबान में झाकेंगे पर मोदी-योगी को कोसते रहेंगे। झल्लन बोला, देखिए ददाजू, हमें नहीं पता था कि आप इतने पक्षपाती हो जाएंगे और मोदी-योगी के ऐसे संघाती हो जाएंगे। यहां हम नहीं मानेंगे और यही कहेंगे कि मोदी-योगी ने जनता के दिमाग की कलें अपने पक्ष में झुकवा ली हैं और छल-छलावे से अपनी सरकारें बनवा ली हैं।

बेचारा भोला-भाला विपक्ष और परम भोले राहुल भइया मोदी-योगी के खिलाफ बोलते-बोलते थके जा रहे हैं पर उनका कुछ कर नहीं पा रहे हैं और मोदी-योगी की चतुर चालों को पहचान नहीं पा रहे हैं। हमने कहा, हम कह तो रहे हैं कि विपक्ष जनता को पूरी बात समझा नहीं पा रहा है और तेरा राहुल भइया अपने नये-नये चुटकुलों से रोज-रोज जनता को हंसा रहा है, अगर ऐसा हो रहा है तो इसमें मोदी-योगी का षड्यंत्र कहां सामने आ रहा है? झल्लन बोला, ददाजू, आप उथली-उथली बातें उथले ढंग से सोचते हो, आप गहराई में नहीं उतरते हो इसीलिए मोदी-योगी के षड्यंत्रों तक नहीं पहुंचते हो। इन दोनों की यही तो चाल होती है कि ऊपर से देखने में लगे कि इनका सिर्फ लोकतांत्रिक मेल हो रहा है लेकिन आप यह नहीं देखते कि इनके कारण लोकतंत्र तेल हो रहा है, अभी तक तो राजनीति में ही इनके चक्र-कुचक्र चल रहे थे पर अब तो खेलों में भी खेल हो रहा है। हमने कहा, खेलों में खेल क्या? तू काहे फालतू बातें हांकता है, आखिर तू कहना क्या चाहता है?

वह बोला, अब हम आपसे जो सवाल पूछने जा रहे हैं उसका सीधा जवाब दीजिए, इधर-उधर मत कीजिए। हमें मालूम है कि आप क्रिकेट प्रेमी हैं तो आईपीएल भी जरूर देख रहे होंगे, तो मैच देखते हुए आप भी कहीं न कहीं अटक रहे होंगे और कुछ न कुछ मोड़-घुमाव आपको भी खटक रहे होंगे। हमने कहा, आईपीएल मजेदारी से आगे बढ़ रहा है और जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है दशर्कों का उत्साह-उल्लास भी ऊपर चढ़ रहा है। इसमें अटकने-खटकने जैसा क्या है, तू जिसका जिक्र कर रहा है और जिसकी वजह से तू न जाने किसकी फिक्र कर रहा है? वह बोला, ददाजू, लगता है आप आंख बंद कर आईपीएल देखते हो, तभी आपको कुछ सुझाई नहीं देता और जो साफ-साफ दिख रहा है वह भी दिखाई नहीं देता। कलकत्ता, मुंबई, चेन्नई में मोदी-योगी की सरकारें नहीं हैं सो इनकी टीमों को हरवा दिया और दोनों ने कल आई अपनी टीमों को आज आईपीएल का आसमान चढ़वा दिया।

हमने कहा, अगर ये बात विपक्ष के साथ राहुल भइया कहें तो उन पर तो फबती है पर आईपीएल जैसे शुद्ध खेल के लिए तेरे मुंह से अच्छी नहीं लगती है। झल्लन बोला, ददाजू, आप ये क्यों नहीं सोचते कि जो अपने राज्यों में सारे विरोधियों को कुचलकर जिस तरह अपनी सरकारें बनवा सकते हैं उसी तरह आईपीएल में भी अपने-अपने राज्यों को जितवा सकते हैं। इसीलिए हम कहते हैं कि यहां भी ईवीएम की तरह कोई न कोई हेराफेरी की जा रही है जो हमारी पकड़ में नहीं आ रही है। सो, हमने सोच लिया है कि हम हर विपक्षी नेता और दल के पास जाएंगे, अपने राहुल भइया को भी कुछ बोलने के लिए उकसाएंगे, आईपीएल का षड्यंत्रकारी खेल उन्हें समझाएंगे और अगले चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाएंगे।

चीन की रणनीतिक चालें

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

चीन ने एक बार फिर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास अपनी हलचल बढ़ा दी है।

अरुणाचल प्रदेश से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बुनियादी ढांचों का निर्माण कर रहा है। कई जगहों पर सीमावर्ती सैनिक गांव भी बसा लिए हैं ताकि उनका इस्तेमाल युद्ध के समय अपने लक्ष्यों को पूरा करने में कर सके। चीन की इन गतिविधियों पर भारतीय सेना गंभीरता से नजर रख रही है। भारतीय सेना की पूर्वी कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कालिता ने 16 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत भी सीमा पर किसी भी तरह के हालातों से निपटने को तैयार है।

भारत पर दबाव बनाने के उद्देश्य से चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास पैंगोंग त्सो झील के अपने वाले हिस्से में पुल बना लिया है। इससे चीनी सेना किसी भी यौद्धिक स्थिति में भारतीय सीमा के निकट शीघ्रता से पहुंच जाएगी। अभी तक इस हिस्से में पहुंचने में चीनी सेना को 200 किमी. का रास्ता तय करना पड़ता है। पुल बन जाने से यह दूरी 40 से 50 किमी. ही रह जाएगी। विदित हो कि पैंगोंग त्सो लेक की लंबाई 135 किमी. है। स्थलीय सीमा से घिरी इस झील का कुछ हिस्सा लद्दा और बाकी हिस्सा तिब्बत में है। झील के उत्तरी तट पर फिंगर आठ से 20 किमी. पूर्व में ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। ब्रिज साइट रु तोग काउंटी में खुर्नक जिले के ठीक पूर्व में है जहां पीएलए के सीमावर्ती ठिकाने हैं। चीनी पुल 400 मीटर लंबा बन चुका है। तकरीबन 8 मीटर चौड़ा है।

विदित हो कि अगस्त, 2020 में चीनी सेना पैंगोंग त्सो झील के फिंगर-4 तक आ गई थी। करीब डेढ़ साल के तनाव के बाद चीनी सेना पीछे हटी लेकिन अब उसने अपनी तरफ पुल बनाना शुरू कर दिया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि यह निर्माण झील के उस हिस्से में किया जा रहा है जो एलएसी के पार बीते 60 सालों से चीन के अवैध कब्जे में है लेकिन भारत ने इस अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। चीन ने पूर्वी लद्दाख के सामने एलएसी के पास तकरीबन आठ सामरिक लोकेशनों पर 80 से 84 की संख्या में अस्थायी शिविर बना लिए हैं। गत वर्ष अप्रैल-मई माह में भारत-चीन के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद चीन ने अनेक सैन्य शिविरों का निर्माण किया है। चीन की सेना पीएलए ने उत्तर में काराकोरम के नजदीक वहाब जिल्गा से लेकर पीयू, हॉट स्प्रिंग्स, चांग लॉ, ताशिगॉन्ग, मांजा और चुरुप तक अपने सैनिकों के लिए अनेक शेल्टर्स बना लिए हैं। स्पष्ट है कि सीमा के नजदीक से अपनी फौज हटाने का उसका कोई इरादा नहीं है।

लद्दाख में अब भारतीय सेना के जवानों का सामना ठंड से कांपते चीनी सैनिकों की बजाय उसकी रोबोट आर्मी और अनमैन्ड व्हीकल्स से होगा क्योंकि चीन ने लद्दाख से लगती सीमा पर इनकी तैनाती कर दी है। विदित हो कि चीनी सैनिकों को ठंडे इलाकों में लड़ाई का अनुभव नहीं है जिससे उन्हें भारतीय सैनिकों के हाथों मुंह की खानी पड़ती है।

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने तिब्बत में ऑटोमैटिक रूप से चलने वाले 88 शॉर्प क्लॉ व्हीकल्स को तैनात कर दिया है। इनमें से 38 को लद्दाख सीमा पर लगाया गया है। इन गाड़ियों को चीन की हथियार निर्माता कंपनी नोरीनको ने तैयार किया है। इन वाहनों का इस्तेमाल शत्रु की निगरानी के हथियार व सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति के लिए किया जाता है।

चीन ने तिब्बत में स्वचालित म्यूल-200 अनमैन्ड व्हीकल्स भी तैनात कर दिए हैं। ये वाहन पहाड़ी इलाकों में शत्रु की निगरानी करने के साथ-साथ 50 किमी. की दूरी तक आक्रमण करने में भी सक्षम हैं। इनकी मदद से एक बार में 200 किग्रा. से ज्यादा वजन का गोला-बारूद और हथियारों को ले जाया जा सकता है। वायरलेस से भी कंट्रोल्ड होने वाली ये गाड़ियां रोबोट की तरह युद्ध लड़ने में सक्षम हैं। तिब्बत के इलाके में 200 लिंक्स ऑल टेरेन व्हीकल्स मौजूद हैं, जिनमें से तकरीबन 150 लद्दाख सीमा क्षेत्र में हैं। इनकी सहायता से एक बार में 15 लोगों को ट्रांसफर किया जा सकता है। ये वाहन भारी वजन वाले हथियारों और एयर डिफेंस संबंधी हथियारों के लिए प्लेटफार्म के तौर पर भी काम आ सकते हैं। इन वाहनों की सहायता से चीन अपनी सेना के जवानों को अति शीघ्र भारतीय सीमा पर किसी भी समय पर उतार सकता है।

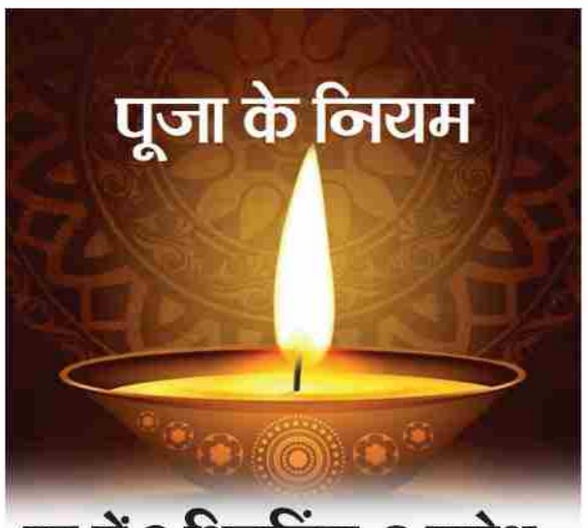

घर में 2 शिवलिंग, 3 गणेश, 2 शंख, और 3 दुर्गा मूर्ति भूलकर भी न रखें

हम सभी के घर में भगवान का मंदिर होता है लेकिन अज्ञानतावश हम कुछ गलतियां कर जाते हैं। प्रस्तुत है कुछ आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां.

एक घर में कम से कम पांच देवी देवताओं की पूजा होनी ही चाहिए-गणेश, शिव, विष्णु, सूर्य, दुर्गा। किसी भी देव या देवी के पूजन के प्रति संकल्प, एकाग्रता, श्रद्धा होना बहुत ही आवश्यक है।

गृहे लिंगद्वयं नाच्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्राम शिलाद्वयम।
तेषां तु पुजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद् गृही।

अर्थ- घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य, तीन दुर्गा मूर्ति, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम की पूजा करने से गृहस्थ मनुष्य को अशांति होती है।

- शालिग्राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती।
- दुर्गा की एक,सूर्य की सात,गणेश की तीन,विष्णु की चार और शिव की आधी ही परिक्रमा करनी चाहिए।
- तुलसी के बिना ईश्वर की पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। तुलसी की मंजरी सब फूलों से बढ़कर मानी जाती है।
- अमावस्या,पूर्णिमा,द्वादशी और रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।
- प्रतिदिन पंचदेव पूजा अवश्य करनी चाहिए।
- यदि कोई मंत्र कंठस्थ न आता हो तो बिना मंत्र के ही जल, चंदन ,फूल आदि चढ़ाकर पूजा करनी चाहिए। फूल चढ़ाते समय ध्यान रखें कि उसका मुख ऊपर की ओर हो।
- सदैव दाएं हाथ की अनामिका एवं अंगूठे की सहायता से फूल अर्पित करने चाहिए। चढ़े हुए फूल को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारना चाहिए।
- फूल की कलियों को चढ़ाना मना है,किंतु यह नियम कमल के फूल पर लागू नहीं है।

जानिए गंगा का जल क्यों नहीं होता कभी खराब

भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। प्रमुख वार-त्योहारों पर श्रद्धालु इन्ही नदियों के घाट किनारे स्नान करने जाते है और पात्रों में भरकर इन नदियों के जल को अपने घरों में भी लाते हैं। इस जल का उपयोग घर की शुद्धि करने, चरणामृत में मिलाने, पूजा या अनुष्ठान करने जैसे कई धार्मिक कार्यों में किया जाता है। लगभग हर हिन्दू परिवार में आपको एक कलश मिल ही जाएगा जिसमे गंगाजल होता है। भारत में लोग गंगा जल को सबसे ज्यादा पवित्र मानते हैं और बताते हैं कि इसका पानी कभी खराब नहीं होता। अब सवाल ये है कि इतने अवांछित पदार्थों के मिल जाने के बाद भी गंगा जल आखिर खराब क्यों नहीं होता? हिन्दू वेद-पुराणों और धार्मिक ग्रंथों की माने तो उनमें गंगा की महिमा का वर्णन कई कथाओं के माध्यम से मिल जाएगा। इस विषय में एक घटना ये भी प्रचलित है कि एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने वर्ष 1890 में गंगा के पानी पर रिसर्च भी की थी। दरअसल, उस दशक में भारत के कई हिस्सों में हैजा का भयंकर प्रकोप था, जिसने कई लोगों की जान ली थी। उस समय लोग लाशों को गंगा नदी में फेंक जाते थे। गंगा के उसी पानी में नहाकर या उसे पीकर अन्य लोग बीमार ना पड़ जाए, इसी बात की चिंता उस वैज्ञानिक को थी। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और गहन शोध के बाद उसने यह पाया की गंगा नदी के पानी में विचित्र वायरस है जो इसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस वजह से गंगा के पानी को घरों में कई दिनों तक रखा जाने के बाद भी उसमें से दुर्गंध नहीं आती।

'पवित्रता के पर्याय' गंगाजल का नाम आते ही ये सवाल हमारे मन में जरूर आता है। लेकिन इसका जवाब भी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। दरअसल, हिमालय में स्थित गंगोत्री से निकली गंगा का जल इसलिए कभी खराब नहीं होता, क्योंकि इसमें गंधक, सल्फर इत्यादि खनिज पदार्थों की सर्वाधिक मात्रा पाई जाती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का जल हिमालय पर्वत पर उगी कई उपयोगी जड़ी-बूटियों को स्पर्श करते हुए आता है। एक अन्य रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि गंगा जल में' बैक्ट्रिया फोस' नामक एक विशेष बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इसमें पनपने वाले अवांछित पदार्थों को खाता रहता है, जिससे इसकी शुद्धता बनी रहती है।

गंगा हिमालय से शुरू होने के बाद कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों तक पहुंचती है जहां खेतीबाड़ी का कचरा-कूड़ा और औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा इसके पानी में मिल जाती है , इसके बाद भी गंगा का पानी पवित्र बना रहता है। इसका एक और वैज्ञानिक कारण है कि इसे शुद्ध करने वाला तत्त्व गंगा की तलहटी में ही मौजूद है। कई वर्षों से गंगा के पानी पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है, जो दूसरी नदियों के मुकाबले कम समय में पानी में मौजूद गंदगी को साफ करने में मदद करती है।

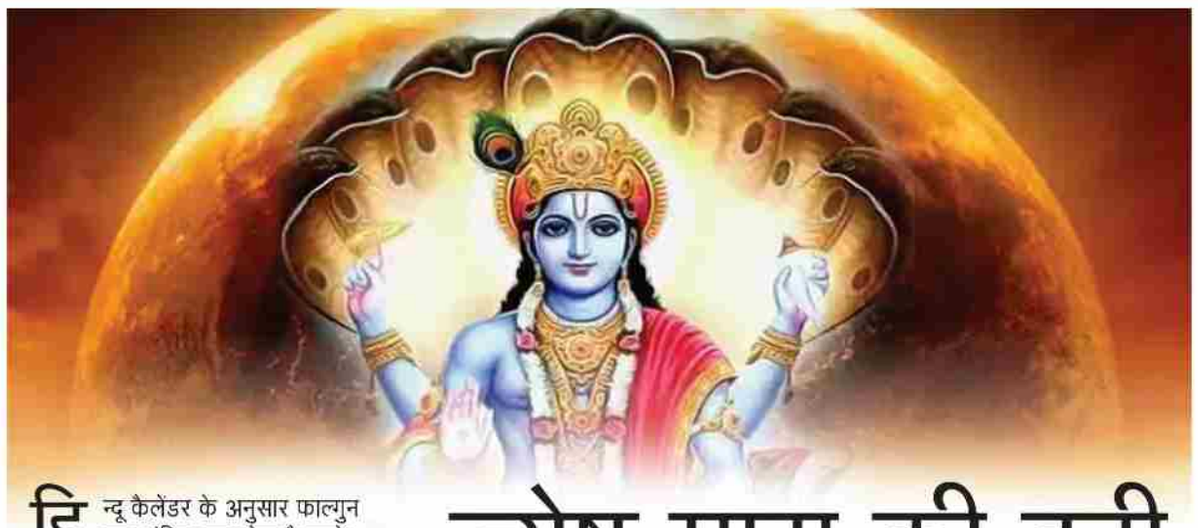

ज्येष्ठ मास की बड़ी बातें, क्या और क्यों है महत्व इस माह का

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन माह अंतिम माह होता है इसके बाद चैत्र माह वैशाख और फिर ज्येष्ठ। इस बार ज्येष्ठ का प्रारंभ अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 17 मई 2022 से ज्येष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। आओ जानते हैं इस माह की बड़ी बातें।

महत्व : ज्येष्ठ मास में सूर्य की तपन अपने चरम पर रहती है। इसीलिए सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ कहा जाता है। इन दिनों सर्वाधिक बड़े दिन होते हैं। इस माह में नौतपा भी लगता है। शास्त्रों में इसी माह में जल के संरक्षण का महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ मास में जल के दान को बहुत बड़ा पुण्य माना गया है। ज्येष्ठ के महीने में भगवान श्रीराम से हनुमान की मुलाकात हुई थी, जिसके चलते ये इस माह के मंगलवार पर हनुमान पूजा का खासा महत्व रहता है।

निम्नलिखित चौपाई से यह पता चलता है कि किस माह में क्या कार्य नहीं करना चाहिए।

चौते गुड़, वैशाखे तेल,
जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादो मही,
कुवांर करेला, कार्तिक दही।
अगहन जीरा, पूसै धना,
माघै मिश्री, फाल्गुन चना।
जो कोई इतने परिहरै,
ता घर बैद पैर नहिं धरै।।
चैत चना, बैसाखे बेल, जैठे शयन,
आषाढ़े खेल, सावन हर्रे, भादो तिल।
कुवार मास गुड़ सेवै नित, कार्तिक मूल,
अगहन तेल, पूस करे दूध से मेल।
माघ मास घी-खिचड़ी खाय,
फागुन उठ नित प्रात नहाय।।

ज्येष्ठ माह में क्या करना और क्या नहीं चाहिए

- ज्येष्ठ माह में दोपहर में चलना खेलना मना है। इन महीनों में गर्मी का प्रकोप रहता है अत: ज्यादा घूमना-फिरना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक शयन करना चाहिए।
- इस माह बेल खाना चाहिए या बेल का रस पीना चाहिए। इस माह में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए।
- इस माह में लहसुन, राई, गर्मी करने वाली सब्जियां और फल नहीं खाना चाहिए।
- इस माह में जल की पूजा की जाती है। इस माह में जल को लेकर दो त्योहार मनाए जाते हैं, पहला गंगा दशहरा और दूसरा निर्जला एकादशी।
- घाघ ने कहा कि जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में दिन में सोता है वह रोगी होती है।
- इस माह में बैंगन खाने से दोष लगता है और रोग उत्पन्न होता है। यह संतान के लिए शुभ नहीं होता है।
- ज्येष्ठ के माह में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।
- ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन करना वाला निरोगी रहता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है- 'ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत्। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।
- इस माह तिल का दान करने से अकाल मृत्यु से जातक बचा रहता है।
- ज्येष्ठ माह में हनुमानजी की प्रभु श्रीराम से मुलाकात हुई थी। इसीलिए इस माह में हनुमानजी की पूजा करने से लाभ मिलता है।

श्री कृष्ण का वृंदावन धाम 8 रहस्य या चमत्कार

ब्रजमंडल में मथुरा, गोकुल, नंदगांव, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन आदि क्षेत्र आते हैं। मथुरा जहां श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। वहीं गोकुल उनकी बाललीला की भूमि है। श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया। बरसाना श्रीराधा की जन्मभूमि है और उनका परिवार भी वृंदावन में आकर रहने लगा था। आओ जानते हैं वृंदावन धाम के 8 चमत्कार या रहस्य को।

रंग महल : वृंदावन में रंग महल है। प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रात: दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं। हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।

अपने आप बंद होता और खुलता मंदिर : वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है।

वृंदावन और तुलसी का रहस्य : वृंदा तुलसी को कहा जाता है। यहां तुलसी के पौधे अधिक हैं, इसलिए इसे वृंदावन नाम दिया गया। यानी वृंदा (तुलसी) का वन। कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।

अजीब हैं पेड़ : मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ और निधिवन में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है। जहां आमतौर पर पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ते हैं वहीं निधिवन में मौजूद पेड़ों की ऊंचाई बेहद कम हैं और इनकी शाखाएं इसकी जड़ों की ओर बढ़ती है। यहाँ पेड़ भी आपस में गुथे हुए हैं जो इस जगह को देखने में भी रहस्यमयी बनाती है।

मंदिर में करते हैं शयन : मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं। लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

घरों की खिड़कियां कर देते हैं बंद : यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

निधिवन : कहते हैं कि आज भी समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं। कहते हैं कि श्रीकृष्ण वृंदावन के निधिवन में रासलीला करने आते हैं और उनके साथ श्रीराधा सहित उनकी अष्ट सखियां भी आती हैं। लोगों का मानना है कि यहाँ हर रात आरती के बाद श्री कृष्ण, राधा और उनकी गोपियाँ रास रचाते हैं। आस-पास रहने वाले कई लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार घुंघरूओं की आवाज सुनाई देती है, लेकिन कोई इस रास-लीला को अपनी आँखों से देखने की हिम्मत नहीं रखता, और देख ले तो फिर दुनिया में कुछ और देखने-समझने के लायक नहीं रहता। यानी अंधा हो जाता है। इसलिए अब निधिवन के दरवाजे शाम 7 बजे बंद कर दिया जाते हैं।

हरिदास भक्त : वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर से कई कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि श्री हरिदासजी बांके बिहारी के सबसे बड़े भक्त थे जिनकी भक्ति और चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं। भगवान की भक्त में डूबकर हरिदास जी जब भी गाने बैठते तो प्रभु में ही लीन हो जाते। इनकी भक्ति और गायन से रिझकर भगवान श्री कृष्ण इनके सामने आ जाते।

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी

चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी

माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अत: इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

गणेश जी को दूर्वा चढ़ाने के खास नियम हैं

बुधवार और चतुर्थी तिथि गणेशजी के दिन है। इस दिन इनकी विशेष पूजा करना चाहिए। पूजा करने के दौरान गणेशजी को विशेष वस्तुएं अर्पित की जाती है जो कि उनके पसंद की होती है। इन वस्तुओं को अर्पित करने से गणपतिजी प्रसन्न हो जाते हैं। इन्हीं वस्तुओं से एक है दूर्वा। आओ जानते हैं दूर्वाचढ़ाने के खास नियम और मंत्र।

दूर्वा चढ़ाने के खास नियम

- प्रात:काल उठकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- फिर ऊं गं गणपतयै नम: मंत्र बोलते हुए जितनी पूजा सामग्री उपलब्ध हो उनसे भगवान श्रीगणेश की पूजा करें।
- गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर लगाएं। फिर उन्हें 21 गुड़ की ढेली के साथ 21 दूर्वा चढ़ाएं। मतलब 21 बार 21 दूर्वा की गाठें अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा गणेशजी को मोदक और मोदीचूर के 21 लड्डू भी अर्पित करें। इसके बाद आरती करें और फिर प्रसाद बांट दें।
- दूर्वा अर्पित करने का मंत्र : 'श्री गणेशाय नम: दूर्वाकुरान समर्पयामि।' : इस मंत्र के साथ श्रीगणेशजी को दूर्वा चढ़ाने से जीवन की सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं और श्रीगणेशजी प्रसन्न होकर सुख एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।
- क्या होगा दूर्वा अर्पित करने से : इस दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाकर विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से परिवार में समृद्धि बढ़ती है और मनोकामना भी पूरी होती है। इस व्रत का जिक्र स्कंद, शिव और गणेश पुराण में किया गया है।

यात्रियों के साथ अनुचित व्यापार व्यवहार, उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन का मामला

ओला और उबर को नोटिस जारी

नई दिल्ली। सरकार ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता ओला और उबर की मनमानी पर रोक लगाने कमर कस ली है। ओला और उबर को लेकर अक्सर यात्रियों की शिकायतें आती रहती है, लेकिन कुछ दिनों से ऐसी शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। इसी के चलते केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण सीसीपीए ने ऑनलाइन कैब सेवाएं प्रदान करने वाली नामी कंपनियों ओला और उबर को नोटिस जारी किया है। ये कार्रवाई यात्रियों के साथ अनुचित व्यापार व्यवहार और उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन करने के मामले में की गई है।

अब 15 दिनों के भीतर दोनों कंपनियों का अपना जवाब दाखिल करना है। सीसीपीए की ओर से ओला और उबर को जारी किए गए नोटिस के पीछे सबसे प्रमुख कारण सेवाओं में कमी है। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे के अनुसार, हमने ओला और उबर दोनों को नोटिस जारी किया है। पिछले एक साल में प्राप्त अधिकांश उपभोक्ता शिकायतें सेवाओं में कमी और अन्य अनुचित व्यापार प्रथाओं व अनुचित व्यवहार से संबंधित हैं। नोटिस लगातार बढ़ती इस तरह की शिकायतों के चलते दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, बीते एक अप्रैल 2021 से एक मई 2022 के बीच कैब सेवा प्रदाता ओला के खिलाफ 2482 शिकायतें दर्ज की गई हैं और इनमें से 54 फीसदी शिकायतें सेवाओं में कमी से जुड़ी हैं। इसके अलावा उबर के खिलाफ इस समयावधि में 770 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 64 प्रतिशत सेवाओं में कमी से जुड़ी शिकायतें रहीं।

किराए में वृद्धि यात्रा रद्द करने का कारण

गौरतलब है कि गुरुवार को ही उबर ने एक बयान में कहा था कि उसने भारत के कई शहरों में ईंधन की बढ़ती कीमतों के प्रभाव से ड्राइवरों को सुरक्षित करने के मद्देनजर उसने किराए में वृद्धि की थी। इससे पहले भी कंपनी ने किराया बढ़ाया था, बता दें कि किराए में की जा रही ये वृद्धि भी यात्रा रद्द करने के पीछे बड़ा कारण है। रिपोर्ट में उपभोक्ताओं के हवाले से कहा गया कि इससे ग्राहकों को भारी असुविधा हो रही है क्योंकि किराए में बढ़ोतरी होती जा रहीए जबकि सेवाएं दुरुस्त नहीं हैं। यहां बता दें कि 10 मई को आयोजित की गई प्रमुख कैब सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों की बैठक में ओला, उबर, मेरु, जुगनू और रैपिडो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि हमने सभी कंपनियों को उनके प्लेटफार्मों के खिलाफ बढ़ती उपभोक्ता शिकायतों के बारे में आंकड़े सामने रखते हुए बताया। हमने उन्हें अपनी प्रणाली में सुधार करने और उपभोक्ता शिकायतों का निवारण करने के लिए कहा है। अगर जल्द इसमें सुधार नहीं दिखेगा तो सक्षम अधिकारी सख्त कार्रवाई करेंगे।

कैंसिलेशन चार्ज का प्रदर्शन नहीं किया

जिन वजहों से दोनों कंपनियों को नोटिस जारी हुआ है, उनमें सेवाओं में कमी और बढ़ती शिकायतों के अलावा एक और अहम कारण है। दरअसलए राइड बुक करने से पहले दोनों कंपनियों के प्लेटफॉर्म पर कैंसिलेशन चार्ज की राशि को प्रमुखता से प्रदर्शित नहीं किया जाता है। ऐसे में अनुचित कैंसिलेशन चार्ज ग्राहकों द्वारा वहन किया जाता हैए जब ड्राइवर की तरफसे राइड स्वीकार करने या पिक पर आने की अनिच्छा के कारण भी राइड कैंसिल की जाती है तो भी ग्राहकों को चूना लगता है। उपभोक्ताओं की ओर से दर्ज कराई गई शिकायतों में और भी कई बातें सामने आई हैं, जिनका संज्ञान प्राधिकरण द्वारा लिया गया है। उपभोक्ताओं ने कैब ड्राइवरों द्वारा एसी लगाने से इनकार करने की शिकायत की है। इसके अलावा शिकायतों में ये भी कहा गया है कि कैब बुक करने के बाद ड्राइवर ऑनलाइन पेमेंट के बजाय केवल नकद भुगतान पर जोर देते हैं।

एटीएम से बिना कार्ड निकलेंगे पैसे

आरबीआई का नया नियम लागू

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक, आरबीआई ने आम जनता की सुविधाओं को बढ़ोतरी करते हुए नया नियम लागू किया है। इसके तहत अब ग्राहक बिना कार्ड के बैंक एटीएम से पैसा निकाल सकेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बिना कार्ड के किसी भी एटीएम से पैसे निकालने को लेकर नया नियम जारी किया है। यह सुविधा देश के सभी बैंक और एटीएम मशीनों में होगी। रिजर्व बैंक ने एक सर्कुलर जारी कर सभी बैंकों से यह सुविधा जल्द शुरू करने को कहा है। इस सुविधा को युनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानि यूपीआई के माध्यम के जरिए लिया जा सकता है। बता दें कि आरबीआई की कोशिश है कि आज दौर में जब ऑनलाइन फ्रॉड बढ़ रहे हैं तब डिजिटल ट्रांजैक्शन को कैसे सुरक्षित बनाया जाए। बैंक के एटीएम से पैसा निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा 24 घंटे सातों दिन पूरे देश में उपलब्ध रहेगी। यह एक सुरक्षित पैसा निकासी का माध्यम है। इस सिस्टम के जरिए मोबाइल पिन जनरेट करना होगा। कैश लेस कैश विड्रॉल सुविधा में यूपीआई के जरिए ट्रांजैक्शन पूरा होगा। यह सुविधा सिर्फखुद से पैसा निकालने पर रहेगी। अभी तक सभी बैंकों में यह सुविधा नहीं है। साथ ही ट्रांजैक्शन लिमिट भी रहेगी।

10 हजार रुपए तक निकाल सकेंगे

इस तरह के लेने-देन की सीमा 5 हजार से 10 हजार रुपए है। मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के साथ बचत खाता धारक को यह सुविधा रहेगी। कुछ बैंकों ने इस सुविधा की अनुमति दी है। बैंक की तरफ से लगाए गए कार्डलेस एटीएम में जाकर मोबाइल पर रिसीव हुए कोड को बस लिखना होगा।

जिकित्जा को एमअर्जेंसी ने खरीदा,11 करोड़ डॉलर में सौदा

मुंबई। मध्य प्रदेश में आकस्मिक चिकित्सा एम्बुलेंस सेवा प्रदान करने वाली कंपनी जिकित्जा हेल्थकेयर का एमअर्जेंसी ग्लोबल सर्विसेज ने अधिग्रहण किया है। एमअर्जेंसी ग्लोबल सर्विसेज ने जिकित्जा हेल्थकेयर को 11 करोड़ डॉलर में खरीदा है। गौरतलब है कि रतन टाटा, एसडी शिबूलाल, कृश गोपालकृष्णन और कई अन्य निवेशकों द्वारा प्रवर्तित एम्बुलेंस सेवा प्रदाता एमअर्जेंसी ग्लोबल सर्विसेज ने एक बयान में मूल्यांकन का खुलासा किए बिना कहा कि देश और सयुक्त अरब अमीरात समेत अमेरिका और यूरोप के बाहर देशों में भी सबसे बड़ी एम्बुलेंस सेवा कंपनी ने जिकित्जा हेल्थकेयर के निवेशकों के एक समूह के साथ एक सुनिश्चित शेयर खरीद समझौता किया है। जिकित्जा हेल्थकेयर की स्थापना भी माथेर ने ही की थी लेकिन वह उसके अल्पमत निवेशक थे। इस सौदे की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि यह सौदा निजी क्षेत्र की आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और परिवहन फर्म जीवन समर्थन एम्बुलेंस सेवा के रूप में ब्रांडेड को उद्यम स्तर पर 11 करोड़ डॉलर पर महत्व देता है। सौदे के बाद संस्थापक शफी माथेर और एमअर्जेंसी की जिकित्जा में बहुसंख्यक शेयरधारिता होगी।

अप्रैल में 1.08 करोड़ यात्रियों ने किया हवाई सफर

मार्च से दो प्रतिशत अधिक: डीजीसीए

नई दिल्ली। अप्रैल में मार्च की तुलना में दो फीसदी अधिक घरेलू यात्रियों ने हवाई सफर किया है। यह जानकारी नागर विमानन महानिदेशालय, डीजीसीए ने अपने मासिक बयान में दी। डीजीसीए ने बताया कि देश में अप्रैल, 2022 के दौरान करीब 1.08 करोड़ यात्रियों ने घरेलू उड़ानों से यात्रा की। यह आंकड़ा मार्च की 1.06 करोड़ घरेलू यात्रियों की तुलना में दो फीसदी अधिक है। डीजीसीए ने कहा कि अप्रैल में सभी एयरलाइंस की सीटें भरने की दर 78 प्रतिशत से अधिक रही। देश के चार प्रमुख शहरों बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई के हवाईअड्डों पर समय से उड़ानों के संचालन में 94.8 प्रतिशत के साथ एयर एशिया इंडिया ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। डीजीसीए ने बताया कि अप्रैल में देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने अकेले 64.11 लाख घरेलू यात्रियों को हवाई यात्रा कराई। यह इस महीने में कुल घरेलू हवाई परिवहन का 58.9 प्रतिशत है। वहीं 11.09 लाख यात्रियों की संख्या के साथ गो फर्स्ट दूसरे स्थान पर रही।

स्पाइसजेट की बुकिंग सबसे अधिक रही

डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार स्पाइसजेट, इंडिगो, विस्तारा, गो फर्स्ट, एयर इंडिया और एयरएशिया इंडिया की सीटों की बुकिंग दर क्रमशः 85.9 प्रतिशत, 78.7 प्रतिशत, 82.9 प्रतिशत, 80.3 प्रतिशत, 79.5 प्रतिशत और 79.6 प्रतिशत रही। गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी की वजह से पिछले दो साल में विमानन क्षेत्र को यात्रा संबंधी पाबंदियों की मार झेलनी पड़ी है।

देश छोड़ने की तैयारी में मैट्रो

कारोबार समेटने हिस्सेदारी बिक्री के लिए साझेदार तलाश रही कंपनी

नई दिल्ली। एक और विदेशी कंपनी देश छोड़ने की तैयारी कर रही है। जर्मनी की खुदरा विक्रेटा मेट्रो एजी भारत से कारोबार समेटने की तैयारी में है। मेट्रो एजी भारतीय सहायक कंपनी मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए किसी साझेदार की तलाश कर रही है। सूत्र ने कहा कि मेट्रो एजी अपनी भारतीय इकाई की प्रगति की समीक्षा करने के बाद अब रणनीतिक बाहरी गठजोड़ की तलाश कर रही है। इस बारे में बैंकरों के साथ कुछ चर्चा हुई है। आपको बता दें कि भारत में मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के पास 30 से अधिक स्टोर हैं। मेट्रो एजी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कॉरपोरेट संचार गेर्ड कोस्लोव्स्की ने कहा, मेट्रो इंडिया एक बढ़ता हुआ व्यवसाय है, जिसमें थोक के लिए भारी संभावनाएं हैं। हम मेट्रो की मौजूदा थोक क्षमताओं को बढ़ाने और भारत में व्यापार वृद्धि में तेजी लाने के लिए संभावित भागीदारों के साथ विकल्पों की समीक्षा कर रहे हैं।

व्यापार बढ़ाने निवेश की जरूरत

सूत्र के मुताबिक भारतीय व्यापार को अपना नेटवर्क बढ़ाने और अधिक स्टोर जोड़ने के लिए और अधिक निवेश की आवश्यकता है। वहीं, मेट्रो एजी के प्रवक्ता ने भी स्वीकार किया है कि कंपनी रणनीतिक विकल्पों की समीक्षा कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक मेट्रो एजी ने हिस्सेदारी बेचने के लिए मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल, राधाकिशन दमानी की एवेन्यू सुपरमार्ट्स डी-मार्ट और टाटा समूह से संपर्क किया है। इसके अलावा अमेजन, थाईलैंड के चारोन पोकफंड सीपी समूह, लुलु समूह और पीई फंड समारा कैपिटल से भी शुरुआती स्तर की बातचीत की गई है।

पावरग्रिड ने कमाया 4,156 करोड़ रुपए मुनाफा

नई दिल्ली। सरकारी क्षेत्र की पावरग्रिड कॉरपोरेशन ने शनिवार को बताया कि 31 मार्च 2022 को समाप्त हुयी चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 4,156.44 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 3,526.23 करोड़ रुपए था। कंपनी की जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में परिचालन आय 10,686 करोड़ रुपए रही जो इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 10,510.23 करोड़ रुपए थी। पावरग्रिड को वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 11,068 करोड़ रुपए की कुल आय प्राप्त हुई। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी 14.75 रुपए का लाभांश दे रही है जो इससे पिछले वित्त वर्ष 9.75 रुपए था। इससे पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय 10,816 करोड़ रुपए थी। कंपनी की समेकित आधार पर पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 40 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,824 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ और पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ परिचालन आय 42,698 करोड़ रुपए रही। पावरग्रिड ने बयान में कहा गया है कि कंपनी ने 10 रुपए वाले अंकित मूल्य

शेयर ब्रोकरों की संख्या घटी

शेयर निवेशकों की संख्या करीब दोगुनी बढ़ी

मुंबई। शेयर बाजार में शेयर ब्रोकरों की संख्या में लगातार कमी आती जा रही है। बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज, बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एनएसई के मुताबिक लगभग 200 ब्रोकरों यानी कुल ब्रोकरों की संख्या में एक चौथाई ब्रोकरों की संख्या घटी है। जबकि इसके विपरीत देश में शेयर निवेशकों की संख्या करीब दोगुनी हो गई। सूत्रों की माने तो शेयर निवेशकों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ ब्रोकरों की संख्या बढ़ने का चलन हैं, लेकिन यहां ठीक उल्टा हो रहा है। लगभग एक चौथाई ब्रोकरों ने या तो खुद ही मेंबरशिप छोड़ दी है या उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई है। बीते दो साल में एनएसई के 82 और बीएसई के 98 ब्रोकरों ने मेंबरशिप कार्ड सरेंडर कर दिया है। 32 ब्रोकर ऐसे भी हैं, जिन्होंने एनएसई पर डिफॉल्ट किया है। इसके अलावा कुछ एक्सचेंजों के ब्रोकरों की सदस्यता रद्द भी की गई है। चूंकि कुछ ब्रोकरेज फर्म्स दोनों प्रमुख एक्सचेंजों के मेंबर हैं, लिहाजा मेंबरशिप छोड़ने वाले ब्रोकरों की कुल संख्या कम भी हो सकती है। इस साल 31 मार्च तक की स्थिति के मुताबिक, एनएसई में 300 से ज्यादा रजिस्टर्ड ब्रोकर हैं, इतने ही ब्रोकर बीएसई में हैं। मई 2019 से अब तक एनएसई के 32 ब्रोकरों ने डिफॉल्ट किया, जिसके चलते एक्सचेंज ने उनकी मेंबरशिप रद्द कर दी। बीते माह सननेस कैपिटल इंडिया देश के सबसे बड़े एक्सचेंज पर डिफॉल्ट करने वाली आखिरी ब्रोकरेज कंपनी थी। एनएसई ने कहा है कि इस साल 30 अप्रैल तक उसने 19 ब्रोकरों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की है।

ऐप के जरिये मोबाइल पर ट्रेडिंग से घट रहे ब्रोकर

अब लोग ऐप के जरिये मोबाइल पर ट्रेडिंग करने लगे हैं, जबकि पहले ज्यादातर क्लाइंट्स ब्रोकर के दफ्तर आते थे। इसके अलावा बाजार नियामक सेबी ने निगरानी और अनुपालन कड़े कर दिए हैं। इसके चलते छोटी ब्रोकरेज कंपनियों के लिए टिके रहना मुश्किल हो गया है। स्टॉक ब्रोकिंग बिजनेस कंसॉलिडेशन में है। कारोबार बड़े ब्रोकरों के बीच सिमट रहा है, छोटी फर्म बाहर हो रही हैं। बढ़ते नियामकीय अनुपालनों और प्रतिस्पर्धा बढ़ने से छोटी फर्म्स के लिए बिजनेस में टिके रहना मुश्किल हो गया है। कुछ ब्रोकरेज कंपनियों में अपना बिजनेस बड़ी फर्म में मर्ज कर दिया और खुद की मेंबरशिप छोड़ दी है।

सेबी ने किया बदला साइबर सुरक्षा ढांचा

शेयर बाजारों के लिए साल में दो बार साइबर ऑडिट अनिवार्य

नई दिल्ली। निवेशकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड सेबी ने शेयर बाजारों और अन्य बाजार ढांचागत संस्थानों के लिए साइबर सुरक्षा से जुड़े ढांचे में बदलाव किया है।

इसी के साथ सेबी ने बाजार से जुड़े संस्थानों के लिए एक वित्त वर्ष में कम से कम दो बार व्यापक साइबर ऑडिट को अनिवार्य कर दिया है। बाजार नियामक की तरफ से जारी परिपत्र के अनुसार इन संस्थानों को साइबर ऑडिट रिपोर्ट के अलावा प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी से एक घोषणापत्र भी जमा करवाना होगा। इस घोषणापत्र में कंपनियों को बाजार अवसंरचना संस्थानों एमआईआई, शेयर बाजारों, समाशोधन निगमों और डिपॉजिटरी के लिए सेबी के सभी दिशानिर्देशों के अनुपालन को प्रमाणित करना होगा। सेबी के अनुसार नए ढांचे के तहत एमआईआई को कारोबार संचालन, सेवाओं और डेटा प्रबंधन के लिए संवेदनशीलता एवं जरूरत के आधार पर अपनी महत्वपूर्ण संपत्तियों की पहचान करानी होगी। सेबी ने कहा कि नया ढांचा तत्काल प्रभाव से लागू है और सभी एमआईआई को दस दिनों के भीतर नियामक को परिपत्र को लागू करने की स्थिति के बारे में जानकारी देनी होगी। महत्वपूर्ण संपतियों में व्यापार की महत्वपूर्ण प्रणाली, इंटरनेट फेसिंग एप्लिकेशन सिस्टम, संवेदनशील डेटा वाली प्रणाली, संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा, संवेदनशील वित्तीय डेटा, व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी डेटा आदि शामिल होने चाहिए।

सेबी ने इंडिया इंफोलाइन पर लगाया जुर्माना

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने ग्राहकों की प्रतिभूतियों के दुरुपयोग के लिए इंडिया इंफोलाइन लिमिटेड पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। आईआईएफएल को 45 दिनों के भीतर इस राशि का भुगतान करना होगा। सेबी ने अप्रैल 2011 से जनवरी 2017 के बीच आईआईएफएल के खातों का निरीक्षण करने के बाद यह आदेश दिया। इस कंपनी को अब आईआईएफएल सिक्योरिटीज के नाम से जाना जाता है। जांच में पाया गया कि आईआईएफएल ने निपटान दायित्वों और स्वामित्व संबंधी उद्देश्य के लिए ग्राहकों के धन का दुरुपयोग किया। इसके अलावा फंड पर मिले ब्याज का दुरुपयोग भी किया गया।

विदेशी मुद्रा भंडार में 10वें सप्ताह गिरावट

गिरकर 595 अरब डॉलर से भी नीचे आया

नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार इन दिनों ढलान पर है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 10वें सप्ताह गिरावट रही। 13 मई को समाप्त सप्ताह में यह 2.676 अरब डॉलर घटकर 593.279 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने अपने आंकड़ों में यह जानकारी दी। यह लगातार 10वां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। आपको बता दें कि इससे एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार 1.774 अरब डॉलर घटकर 595.954 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के मई बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित एक लेख के मुताबिक 6 मई को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 596 अरब डॉलर था जो वर्ष 2022-23 के लगभग 10 महीने के लिए अनुमानित आयात के बराबर था। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 1.169 अरब डॉलर घटकर 40.57 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ के पास जमा विशेष आहरण अधिकार एसडीआर 16.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.204 अरब डॉलर रह गया।

क्यों आ रही गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों में आई कमी है जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा आस्तियां एफसीए 1.302 अरब डॉलर घटकर 529.554 अरब डॉलर रह गयीं। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है।

आईआरएफसी का शुद्ध लाभ 37.90 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे वित्त निगम आईआरएफसी का समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 का शुद्ध लाभ 37.90 प्रतिशत बढ़कर 6090 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईआरएफसी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में उसने 4416 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए इसकी परिचालन आय 28.71 प्रतिशत बढ़कर 20298.27 करोड़ रुपए हो गई जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 15770.22 करोड़ रुपए थी। बीती चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 16.39 प्रतिशत बढ़कर 5931.12 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जबकि तीसरी तिमाही में यह 5095.81 करोड़ रुपए रहा था।

न्यूज

घाटे से मुनाफे पर लौटा भेल, चौथी तिमाही में 912 करोड़ रुपए रहा शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल, भेल घाटे से मुनाफे में लौट आई है। कंपनी ने बताया कि आय में हुई तगड़ी बढ़ोतरी के दम पर मार्च में खत्म तिमाही में 912.47 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध मुनाफा हुआ है। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि साल भर पहले समान तिमाही में उसे 1036.32 करोड़ रुपए का घाटा उठाना पड़ा था। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रति शेयर 0.40 रुपए का अंतिम लाभांश देने की मंजूरी दी है। बीएचईएल ने कहा, दुनिया भर में कोविड-19 फैलने से व्यवधान उत्पन्न हुए और आर्थिक गतिविधियां मंद पड़ीं। इससे 2021-22 के दौरान कंपनी का परिचालन प्रभावित हुआ लेकिन कंपनी इससे तेजी से उबरने में सफल रही। बीएचईएल ने बताया कि जनवरी-मार्च 2022 की तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8181.72 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 7245.16 करोड़ रुपए थी। इस दौरान उसका खर्च घटकर 7091.29 करोड़ रुपए रह गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8644.28 करोड़ रुपए था।

पेटीएम साधारण बीमा कारोबार में उतरेगी, संयुक्त उद्यम में 950 करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्ली। पेटीएम साधारण बीमा कारोबार में उतरने की तैयारी कर रही है। डिजिटल वित्तीय सेवा ब्रांड पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के निदेशक मंडल ने शनिवार को कहा कि उसने संयुक्त उद्यम में एक साधारण बीमा कंपनी गठित की है जिसमें वह अगले 10 वर्षों में 950 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि पेटीएम जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड नाम वाले संयुक्त उद्यम के गठन संबंधी प्रस्ताव को वन97 कम्युनिकेशंस के निदेशक मंडल ने मंजूरी दी। शुरुआत में वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीजीआईएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। बाकी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के प्रबंध निदेशक विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली वीएसएस होल्डिंग के पास होगी। निवेश प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद पीजीआईएल में पेटीएम की हिस्सेदारी बढ़कर 74 प्रतिशत हो जाएगी जबकि वीएचपीएल की हिस्सेदारी घटकर 26 प्रतिशत रह जाएगी। पेटीएम के बीमा कारोबार में उतरने का यह फैसला रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा नहीं हो पाने के बाद लिया गया है। कंपनी निर्धारित समय में इस अधिग्रहण सौदे को पूरा नहीं कर पाई थी।

गुणवत्तापूर्ण चाय का वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनने की जरूरत

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शनिवार को कहा कि बागान मालिकों को चाय बोर्ड की सहायता से भारत को गुणवत्तापूर्ण चाय का वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनाने की कोशिश करनी चाहिए। तीसरे अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर चाय बोर्ड और भारतीय चाय संघ आईटीए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में पटेल ने कहा कि कि चाय बोर्ड ने चाय पत्तियों को तोड़ने के समय गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत बागान कर्मी जिन हरी पत्तियों को तोड़ते हैं उन्हें उनकी गुणवत्ता सुधारने में मदद दी जाएगी। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री पटेल ने कहा कि बढ़िया गुणवत्ता वाली चाय को इस महीने विशेष नीलामी के जरिए बेचा जाएगा और इसके अच्छे दाम मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, वैश्विक बाजार में भारत को गुणवत्तापरक चाय का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बनाने की जरूरत है। पटेल ने बताया कि भारत ने 21 मई को अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की थी जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकार कर लिया है।

ओला ने एस1 प्रो की कीमत 10000 रुपए बढ़ाई

नई दिल्ली। लागत बढ़ने के चलते अब ओला का एस1 प्रो ईलेक्ट्रिक स्कूटर ग्राहकों को 10 हजार रुपए महंगा पड़ेगा। इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी ओला ने अपने इस स्कूटर की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। उपभोक्ताओं को ओला एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए 10 हजार रुपए बढ़कर 1.40 लाख रुपए चुकाने पड़ेंगे। ओला का एस1 प्रो स्कूटर एआरएआई के मुताबिक 185 किलोमीटर की रेंज का दावा करती है, जबकि इसमें 131 किलोमीटर की ही रेंज मिलती है। कंपनी का दावा है कि इसकी टॉप स्पीड 115 किलोमीटर प्रति घंटा है। साथ ही यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड 3 सेकेंड में पकड़ लेती है। ओला एस1 प्रो में 3.97 केडब्ल्यूएच की बैटरी मिलती है, जो चार्ज होने में 6.30 घंटे का समय लेती है।

एक साल में सीएनजी की कीमतों में 32.21 रुपए प्रति किलोग्राम या 60 फीसदी तक की वृद्धि हुई

आईजीएल ने सीएनजी के दाम छह दिन में दूसरी बार बढ़ाए

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को राहत मिलती नहीं दिख रही है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड आईजीएल ने बढ़ती महंगाई के बीच जनता को एक और झटका दे दिया है। कंपनी ने दिल्ली में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस सीएनजी के दाम में दो रुपए प्रति किलो की बढ़ोत्तरी कर दी है।

गौरतलब है कि पिछले 6 दिनों में दूसरी बार सीएनजी की कीमत बढ़ी है। इससे पहले 15 मई को सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़े थे। कंपनी द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के मुताबिक, इस वृद्धि के साथ राजधानी में सीएनजी के दाम 75.61 रुपए प्रति किलो हो गए हैं और।दामों में की गई बढ़ोतरी शनिवार से लागू होगी। इस बढ़ोतरी के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी 78.17 रुपए प्रति किलो तथा गुरुग्राम में इसकी कीमत 83.94 रुपए किलो हो गई है। वहीं, मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी गैस की कीमत 82.84 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में नेचुरल गैस की कीमतें आसमान पर है।

ऐसे में घरेलू स्तर पर दाम और ज्यादा बढ़ सकते हैं। निकट भविष्य में गैस की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। आईजीएल के प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने कहा कि निकट भविष्य में भी कीमतें ऊंची बनी रहने का अनुमान है क्योंकि प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतें भी उच्च स्तर पर हैं। सीएनजी की कीमतों में अलग.अलग शहरों में लगने वाले स्थानीय करों के कारण अंतर होता है।

दो महीने में कुल 19.60 रुपए की बढ़ोतरी

पिछले दो महीने में सीएनजी के दामों में 13वीं बार वृद्धि की जा चुकी है। सीएनजी की आपूर्ति करने वाली इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड आईजीएल की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार कीमतों में सात मार्च के बाद से यह 13वीं बढ़ोतरी है। इस दौरान कुल मिलाकर सीएनजी की कीमत 19.60 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ चुकी है। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक साल में कीमतों में 32.21 रुपए प्रति किलोग्राम या 60 फीसदी तक की वृद्धि हो चुकी है।

बीसीसीआई ने घोषित की भारतीय टीम

दक्षिण अफ्रीका सीरीज में राहुल , इंग्लैंड सीरीज में रोहित होंगे कप्तान

मुंबई। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम घोषित कर दी है। भारतीय टीम को इंग्लैंड से एक टेस्ट खेलना है जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलने है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए लोकेश राहुल को कप्तान बनाया गया है जबकि टीम में दिनेश कार्तिक के अलावा अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान और रवि बिश्नोई जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। उमरान ने आईपीएल में अपनी तेज गेंदबाजी के कारण सबका ध्यान खींचा है। इसके अलावा आवेश ने भी अच्छी गेंदबाजी की जबकि कार्तिक ने अच्छी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट सीरीज में रोहित शर्मा कप्तान रहेंगे। अनुभवी चेतेश्वर पुजारा को टीम में शामिल किया गया है। पुजारा ने हाल में काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके

अलावा हनुमा विहारी और शुभमन गिल को भी टीम में जगह दी गयी है जबकि विकेटकीपिंग के तौर पर ऋषभ पंत के साथ ही केएस भारत को भी शामिल किया गया है। जडेजा, अश्विन, शार्दुल ठाकुर को भी टीम में रखा है। वहीं अनुभवी शिखर धवन को आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह युवा बल्लेबाज दीपक हुड्डा और रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गया है।

टेस्ट टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उपकप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

टी20 टीम

लोकेश राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान) (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजी चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर, हर्षल पटेल, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

एक राउंड पहले ही विश्वनाथन आनंद नें जीता सुपरबेट रैपिड शतरंज

वारशा,पोलैंड (एजेंसी)।

पहले दिन से लगातार अच्छे खेल से शुरुआत करने वाले भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद नें आखिरकार ग्रांड चैस टूर के दूसरे पड़ाव सुपरबेट रैपिड शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है। अंतिम दिन आनंद नें सबसे पहले रोमानिया के डेविड गवीरलेसकू को काले मोहरो से स्कॉच ओपनिंग मे मात दी तो उसके बाद सफ़ेद मोहरो से यूएसए के फबियानों करूआना को पेट्रोफ डिफेंस में आसानी से ड्रॉ पर रोकते हुए कुल 14 अंक बनाकर बाकी खिलाड़ियों से 3 अंक का अंतर बनाते हुए अपना खिताब जीतना एक राउंड पहले ही सुनिश्चित कर लिया । अंतिम राउंड में जरूर आनंद को अपने निकटतम प्रतिद्वंदी हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से काले मोहरो से पेट्रोफ ओपेनिंग में एक रोमांचक मुक़ाबले में हार का सामना करना पड़ा । कुल 9 राउंड के बाद आनंद 14 अंक लेकर पहले , 13 अंक बनाकर रिचर्ड दूसरे तो पोलैंड के यान डूड़ा 12 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे । अब इसके बाद अगले दो दिन ब्लिट्ज़ के कुल 18 मुक़ाबले खेले जाएँगे और उसके बाद ओवरऑल विजेता तय किया जाएगा । रैपिड में जहां जीतने पर अंक मिल रहे थे तो अब ब्लिट्ज़ में 1 अंक मिलेगा ।

आईपीएल क्वालिफायर ओर फाइनल के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से वेन्यू अहमदाबाद और कोलकाता में शुरु होंगे। इस दौरान स्टेडियम की पूरी क्षमता के अनुसार सौ फीसदी प्रशंसकों को प्रवेश मिलेगा। वहीं प्लेऑफ से लेकर फाइनल तक के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री भी शुरु हो गयी है।

इसके तहत ही मंगलवार को कोलकाता में पहले क्वालिफायर में नंबर एक स्थान पर आई गुजरात टाइटंस का मुकाबला अंक तालिका की दूसरे नंबर की टीम राजस्थान रॉयल्स से होगा। वहीं बुधवार को कोलकाता में ही दूसरे नंबर की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स और चौथे स्थान पर रही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा जबकि दूसरा क्वालिफायर 26 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद फाइनल 29 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबले के ऑनलाइन टिकट भी मिलने मिलने शुरू हो गए हैं। इसका सबसे महंगा टिकट 65 हजार और सबसे सस्ता 800 रुपये का है। टिकट बीसीसीआई के आधिकारिक टिकट पार्टनर बुकमाय शो से ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर के लिए सबसे सस्ते टिकट की कीमत 800 रुपये है। जबकि, क्वालिफायर-2 और फाइनल के टिकट की कीमत 500 से लेकर 65 हजार रुपये के बीच होगी। टिकट के लिए आपको बुकमाय शो के अकाउंट पर जाना होगा।

प्रधानमंत्री ने थॉमस कप विजेता टीम को बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार थॉमस और उबर कप जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। अपनी इस मुलाकात में प्रधानमंत्री ने टीम को बधाई देते हुए उनकी इस उपलब्धि को सराहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपकी इस जीत से लोगों का सपना पूरा हुआ है। इस दौरान खिलाड़ियों ने भी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। पीएम कहा कि किसी भी टूर्नामेंट में कोई भी निर्णायक मैच सांस रोकने वाला होता है। इसपर खिलाड़ियों ने कहा कि मैच चाहे पहला हो या अंतिम हमने हमेशा देश की जीत दिखी। मोदी ने कहा, 'एक समय था जब हमारी टीम थॉमस खिताब जीतने की सूची में काफी पीछे हुआ करती थी। भारतीयों ने कभी इस खिताब का नाम भी नहीं सुना होगा पर आज आपने इसे देश में लोकप्रिय कर दिया है। इस भारतीय टीम ने यह दिखाया है कि अगर मेहनत की जाए, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। विश्व स्पर्धा का दबाव होना ठीक है पर आपने उस दबाव से निकलकर इतिहास रचा है।' प्रधानमंत्र ने टीम के कप्तान किदांबी श्रीकांत, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय से भी बात कर उनका उत्साह बढ़ाया और उनको उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। श्रीकांत ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों को यह कहते हुए हमेशा गर्व होगा कि हमें अपने प्रधानमंत्री का समर्थन भी प्राप्त है। वहीं मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि प्रधानमत्री भी खिलाड़ियों और खेल का अनुसरण करते हैं, और उनके विचार खिलाड़ियों से जुड़ते हैं। वहीं भारतीय युगल टीम के कोच डेनमार्क के माथियास बो ने कहा, 'मैं एक खिलाड़ी रहा हूं और मैंने देश के लिए पदक जीते हैं पर हमारे प्रधानमंत्री ने मुझे कभी मिलने के लिए नहीं बुलाया।' मोदी ने कहा कि आज लक्ष्य सेन ने अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा था कि मिठाई खिलाऊंगा। आज वह मेरे लिए मिठाई लेकर आए हैं। वहीं लक्ष्य ने कहा कि पीएम ने अल्मोड़ा की बाल मिठाई मांगी थी। मैं उनके लिए मिठाई लेकर गया था। यह दिल को छू लेने वाला है कि उन्हें खिलाड़ियों की छोटी-छोटी बातें

याद रहती हैं।

भारतीय टीम ने थॉमस कप के फाइनल मुकाबले में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर पहली बार यह खिताब जीता था। भारतीय टीम पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। भारत को थॉमस कप जिताने में कप्तान किदांबी श्रीकांत, चिराग-सात्विक के साथ ही युवा शटलर लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय की अहम भूमिका रही।

सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में ओझा की बराबरी पर आये कुलदीप

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मैच में एक विकेट लेने के साथ ही एक एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। कुलदीप इसी के साथ ही आईपीएल इतिहास में बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के प्रज्ञान ओझा के रिकॉर्ड की बराबरी पर आ गये। कुलदीप ने इस सत्र में अब तक 21 विकेट लिए हैं। इससे पहले ओझा ने साल 2010 सत्र में 21 विकेट लिए थे। इस सूची में रविंद्र जडेजा का भी नाम है जडेजा ने साल 2014 सत्र में 19 विकेट लिए थे। कुलदीप इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। सबसे अधिक विकेट राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम हैं जिन्होंने 26 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के वानिंद हसरंगा हैं जिन्होंने 15 की औसत से 14 मैचों में 24 विकेट ली हैं। कुलदीप और सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक 21-21 विकेट के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

कोच पोंटिंग ने ऋषभ का बचाव किया

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत का बचाव करते हुए कहा कि अभी वह युवा हैं ओर समय के साथ ही बेहतर होते जाएंगे। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ कप्तानी के तरीके सीख रहा है और आगे जाकर एक सफल कप्तान बनेगा। वहीं इससे पहले टीम की मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हार के बाद इस विकेटकीपर बल्लेबाज की कप्तानी पर सवाल उठे थे। मुंबई इंडियंस की टीम ने एक समय सौ

रनों के अंदर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे पर कप्तान ने टिम डेविड के मामले में डीआरएस नहीं लिया जो टीम को भारी पड़ गया। टिम ने इसके बाद केवल 11 गेंद में 4 छक्के और 2 चौके लगाकर 34 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस पर कोच ने कहा, 'निश्चित रूप से मेरे दिमाग में कोई संशय नहीं है कि ऋषभ कप्तानी के लिए सही पसंद हैं। यहां तक कि पिछले सत्र में भी कोई संदेह नहीं था। ऋषभ ने पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद कप्तानी संभालने के बाद टीम को शानदार सफलता दिलायी थी।' पोंटिंग ने कहा कि वह मैच को हाथों से निकलते हुए देखकर काफी निराश थे पर कप्तान को इसके लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता क्योंकि वह एक युवा खिलाड़ी है और कप्तानी की बारीकियां सीख रहे है। साथ ही कहा कि टी20 टीम की कप्तानी आसान नहीं होती। विशेष रुप से आईपीएल में काफी दबाव रहता है। यहां हर बात पर नजर रखी जाती है। उन्होंने कहा कि हार का कारण टीम की बल्लेबाजी ठीम नहीं होना रही। टीम ने अपने शुरुआती विकेट 40 रनों पर ही खो दिये थे।

आईपीएल के क्वालिफायर मुकाबलों पर बारिश का साया मंडराया

मु बई(एजेंसी)।

आईपीएल के 15 वें सत्र का पहला क्वालिफायर मुकाबला मंगलवार को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। इसमें अंक तालिका की नंबर एक टीम गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच पर हालांकि बारिश का साया मंडराने से आयोजक परेशान हैं।

क्योंकि शनिवाल को बारिश और तूफान के कारण स्टेडियम के मीडिय बॉक्स को काफी नुकसान हुआ था। वहीं मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी मौसम ऐसा ही रह सकता है। अगर ऐसा हुआ तो कौन सी टीम फाइनल में पहुंचेगी यह सवाला उठने लगा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बारिश और तूफान के कारण ईडन गार्डन में हुए नुकसान को देखने बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली भी स्टेडियम पहुंचे थे। उसके बाद गांगुली ने कहा कि मैच से पहले स्टेडियम को पूरी तरह से ठीक कर दिया जाएगा। पहले क्वालिफायर के दिन भी शाम के वक्त हल्की बारिश की आशंका है जिससे एक प्रकार डर बना हुआ है। आईपीएल के इस सत्र में अब तक लीग मैच मुंबई और पुणे में खेले गये हैं जबकि क्वालिफायर और फाइनल कोलकाता और अहमदाबाद में होने हैं।

टाइटंस और रॉयल्स के बीच होने वाले पहले के लिए आईपीएल के कोई रिजर्व दिन नहीं है। ऐसे में अगर खराब मौसम के कारण मैच नहीं हुआ तो गुजरात सबसे ज्यादा अंक होने के कारण सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं दूसरे नंबर की टीम रॉयल्स दूसरे क्वालिफायर में खेलेगी। इसमें उसका सामना एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। एलिमिनेटर मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कोलकाता में खेला जाएगा। वहीं अगर यह भी बारिश के कारण नहीं पाया तो लखनऊ दूसरे क्वालिफायर में पहुंचेगी।

प्लेऑफ में पहुंचने की खुशी में डांस करते दिखे कोहली सहित आरसीबी के सभी खिलाड़ी

मुबई (एजेंसी)।

आईपीएल के 15 वें सत्र में मुम्बई इंडियंस की दिल्ली कैपिटल्स पर 5 विकेट से जीत के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम प्लेऑफ में पहुंच गयी। इससे टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली , कप्तान फाफ डुप्लेसी और अन्य खिलाड़ी खुशी में नाचने गाने लगे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम बदकिस्मत रही और मुम्बई से हार के कारण अंतिम चार से बाहर होगी। दिल्ली को बेहतर रन औसत के कारण इस मैच में केवल जीत की जरुरत थी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम यदि यह मैच जीत जाती, तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाती, क्योंकि उसका नेट रनरेट आरसीबी से अच्छा था। इसलिए आरसीबी की टीम इस मैच में दिल्ली की हार की दुआ कर रही थी। आरसीबी ने टीम का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि पूरी टीम शाम 7.30 बजे से टीवी खोलकर मैच देख रही थी। मैच 11.30 बजे खत्म हुआ. तब तक वे टीवी के सामने ही डटे रहे और जीत के बाद जश्न भी बनाया। इसमें विराट ना केवल डांस करते नजर आये बल्कि अन्य खिलाड़ियों से गले मिलते भी नजर आये। कोहली ने कोच संजय बांगड़ को भी गले लगाया। इसके बाद कोहली ने कहा कि थैंक्यू मुंबई। यह समय विश्वनीय है।

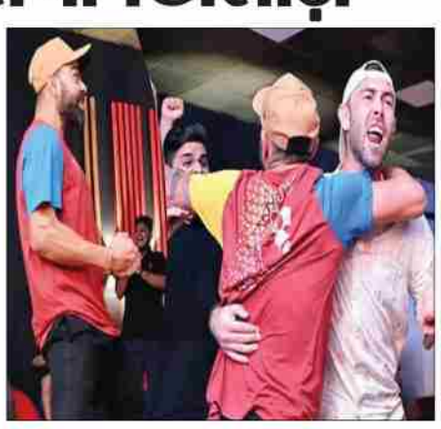

गामा पहलवान पर गूगल ने डूडल बनाया

नई दिल्ली । महान पहलवान गाम पहलवान को उनके जन्मदिन पर सर्च इंजन गूगल ने डूडल बनाकर सम्मानित किया है। गामा का जन्म 22 मई, 1878 को अमृतसर के जब्बोवाल गांव में हुआ था। वो एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार से आते थे और उनके पिता मुहम्मद अजीज बक्श दतिया के तत्कालीन महाराजा भवानी सिंह के दरबार में कुश्ती लड़ा करते थे। गामा पहलवान अपने 5 दशक लंबे पहलवानी के करियर में अपराजित रहे। 10 साल की उम्र से उन्होंने अखाड़े में दांव-पेंच आजमाने शुरू किए और इसके बाद जिसके खिलाफ भी कुश्ती लड़ी, जीत ही हासिल की। उन्होंने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोगों को प्रेरित किया। इसमें ब्रूस ली जैसे दिग्गज शामिल हैं। 1910 में वो लंदन गए थे। तब गामा ने खुली चुनौती दी थी कि वो किसी भी वेट कैटेगरी के तीन पहलवानों को महज 30 मिनट में हरा देंगे। हालांकि, उनकी इस चुनौती को बाकी पहलवानों ने हल्के में लिया। काफी समय तक किसी ने गामा पहलवान की चुनौती स्वीकार नहीं की। ऐसे में गामा ने हैवीवेट पहलवानों को चुनौती दी। उन्होंने विश्व चैंपियन स्टैनिस्लॉस जैविस्को, फ्रैंक गॉच को चुनौती दी या तो वह उन्हें हरा देंगे या इनाम में जो राशि मिलेगी वो उन्हें देकर घर लौट जाएंगे। गामा की चुनौती लेने वाले पहले पहलवान अमेपिका के बेंजामिन रोलर थे। गामा ने पहली बार में रोलर को 1 मिनट 40 सेकेंड में हरा दिया। दिया और दूसरे को 9 मिनट 10 सेकेंड में। दूसरे दिन उन्होंने 12 और पहलवानों को हराया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत लौटे तो 5 फीट 8 इंच के कद वाले गामा पहलवान रुस्तम-ए-हिंद भी बने।

किसी दल से नहीं जुड़ा हूं : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि वह राजनीति में नहीं आ रहे हैं। कपिल ने इसको लेकर आ रही खबरों को गलत करार दिया है। उन्होंने लिखा , मेरे अभी-अभी एक राजनीतिक दल में शामिल होने की खबर मिली है। यह पूरी तरह से गलत है। मैं किसी राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं हूं। मैं बहुत निराश हूं कि लोगों ने झूठी खबरें फैलाई हैं। अगर मुझे कभी इतना बड़ा कदम उठाना पड़ा तो

मैं सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा करूंगा। वहीं कुछ समय पहले ही खबर आई थी कि कपिल आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल होंगे पर इस पूर्व कप्तान ने इस प्रकार की बातों को आधारहीन बताया है।

एशिया कप : पाकिस्तान से होगा भारत का पहला मुकाबला

जकार्ता (एजेंसी)।

भारत की दूसरी श्रेणी की हॉकी टीम सोमवार को जब यहां एशिया कप में अपने खिताब के बचाव की शुरूआत करने के लिए पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसे कुशलता से दबाव से निपटना होगा। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में कुछ नए चेहरों को उतारा है तो भारत अनुभवी बीरेंद्र लाकड़ा की अगुआई में अपनी 'ए% टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। लाकड़ा ने टोक्यो ओलंपिक के बाद संन्यास से वापसी की है।

भारत के लिए एशिया कप व्यस्त सत्र से पहले अपनी 'बेंच स्ट्रेंथ% को आजमाने का मंच प्रदान करेगा जिसमें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल और अगले साल एफआईएच विश्व कप शामिल है जिसके लिए टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने मेजबान देश के तौर पर पहले ही क्वालीफाई कर लिया है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान इस टूर्नामेंट से भुवनेश्वर में होने वाले 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है। एशिया कप से शीर्ष तीन टीमें सीधे जनवरी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लेंगी।

भारत और पाकिस्तान दोनों ही टीमें तीन तीन बार एशिया कप अपने नाम कर चुकी हैं। भारत ने पिछला चरण 2017 में जीता था और ढाका में हुए फाइनल में उसने मलेशिया को हराया था। भारत की 20 सदस्यीय टीम को पूर्व कप्तान सरदार सिंह कोचिंग दे रहे हैं। पहले टीम की अगुआई टोक्यो पदक विजेता रूपिंदर पाल सिंह को करनी थी जिन्होंने भी संन्यास से वापसी की है लेकिन कलाई की चोट के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

भारतीय टीम में एक और अनुभवी एसवी सुनील शामिल हैं जिन्होंने भी संन्यास से वापसी की और उन्हें मैदान में काफी चुस्त और फुर्तीला माना जाता है। सुनील चोट के कारण तोक्यो ओलंपिक टीम में शामिल नहीं हो सके थे, वह उपकप्तान होंगे। भारतीय टीम में 10 ऐसे खिलाड़ी हैं जो सीनियर भारतीय टीम में पदार्पण करेंगे जिसमें यशदीप सिवाच, अभिषेक लाकड़ा, मंजीत, विष्णुकांत सिंह और उत्तम सिंह शामिल हैं। ये सभी जूनियर विश्व कप का हिस्सा थे।

इनके अलावा टीम में नए खिलाड़ी जैसे मरीस्वारेन साकतिवेल, शेशे गौड़ा बीएम, पवन राजभार, अभरण सुदेव और एस कार्ति शामिल हैं। अब देखना होगा कि सरदार किस तरह से इन युवाओं से

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करायेंगे। नए खिलाड़ी जानते हैं कि एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन से उनके लिये राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल होने का दरवाजा खुल सकता है क्योंकि राष्ट्रीय चयनकर्ता और मुख्य कोच ग्राहम रीड उनके प्रदर्शन पर निगाह लगाये होंगे। भारत के लिए सिमरनजीत सिंह चोट के कारण लंबे समय बाद अग्रिम पंक्ति में वापसी करेंगे। वह टोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा थे। लेकिन जिम्मेदारी उन चुनिंदा सीनियर खिलाड़ियों पर होगी कि वे मुकाबले में युवाओं का मार्गदर्शन करें।

रोहित को फार्म हासिल करने की उम्मीदें

मुंबई । मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने माना है कि आईपीएल सत्र में वह अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं पर कहा कि थोड़े बदलाव से ही वह अपना फार्म हासिल कर लेंगे। राहित आईपीएल के इस 15 वें सत्र में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इसी कारण उनकी टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। इस सत्र में वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये और 14 मैचों में 19.14 के औसत और 120.17 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने केवल 248 रन ही बनाये हैं। रोहित ने कहा, ''बहुत सी चीजें जो मैं इस सत्र में करना चाहता था, उन्हें मैं नहीं कर पाया। मैं इस सत्र में अपने प्रदर्शन से बहुत निराश हूं हालांकि ऐसा मेरे साथ पहले भी हुआ है।''

केजरीवाल के शिक्षा मॉडल पर सीएम केसीआर हुए फिदा, बोले- तेलंगाना में भी खोले जाएं दिल्ली जैसे मॉडल स्कूल

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दिल्ली के शिक्षा मॉडल पर फिदा हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली की तर्ज पर तेलंगाना में भी मॉडल स्कूल खोलेगी और दिल्ली के शिक्षा मॉडल को जानने और सीखने के लिए जल्द ही अपने शिक्षकों और अधिकारियों को दिल्ली भेजेंगे।

दिल्ली आए के. चंद्रशेखर राव ने शनिवार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ राजधानी के एक सरकारी स्कूल का दौरा कर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में किए गए सुधारों के बारे में जानकारी हासिल की। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें विस्तारपूर्वक दिल्ली की शिक्षा प्रणाली में आए बदलाव से अवगत कराया।

केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राव और उनकी पार्टी के नेताओं का मोती बाग क्षेत्र स्थित सर्वोदय विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वागत किया तथा उन्हें स्कूल का दौरा कराया। प्रतिनिधिमंडल ने अन्य सुविधाओं के साथ-साथ कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रों के खेल क्षेत्र का भी जायजा लिया। बाद में, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के मोहम्मदपुर में एक मोहल्ला क्लिनिक का भी दौरा किया। पिछले महीने, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों का दौरा किया था और शिक्षा मानकों में सुधार के लिए दिल्ली सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की थी।

इस दौरान राव ने कहा कि हम कम खर्चे में दिल्ली से ही ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए प्रशंसनीय काम पूरे देश में फैलने चाहिए और पूरे देश में होना चाहिए, ताकि लोगों का भला हो सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने वाकई में स्कूलों में बहुत ही प्रशंसनीय और अदभुत कार्य किया है।

चंद्रशेखर राव ने मोहल्ला क्लीनिक का दौरा करने के बाद कहा कि कुछ साल पहले दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक से फीडबैक लेकर हमने हैदराबाद शहर में दवाखाना खोला और लोगों को लाभ पहुंच रहा है। आम जनता के लिए काम करके कामयाबी हासिल करना बड़ा मुश्किल होता है, लेकिन जिस तरह से अरविंद केजरीवाल को कामयाबी मिली है, वो बहुत प्रशंसनीय है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के मामले में दिल्ली सरकार का जो प्रयास हुआ है, वो बहुत ही प्रशंसनीय है। उसके नतीजे भी देखने को मिल रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अन्य राज्यों में छात्रों के मॉर्क्स पर अधिक ध्यान दिया जाता है, लेकिन दिल्ली सरकार ने मार्क्स से हटकर बच्चों को बिजनेस करने, उनको एंटरप्रेन्योर बनाने प्रयास किया है और बच्चों को नौकरी तलाशने की बजाय नौकरी देने का रास्ता बताने का काम किया है। मैंने बच्चों से बात भी की। सरकार के इन प्रयासों से उनको काफी कामयाबी भी मिली है। बच्चों की सोच और विचार ही बदल गए हैं। इस प्रकार का सरकार द्वारा प्रयास आमतौर पर देश में नहीं हो रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा जो कुछ भी किया है, आगे चलकर इसका परिणाम बहुत ही अच्छा मिलेगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार में वाकई में बहुत ही सराहनीय, प्रशंसनीय और अदभुत कार्य हुआ है। मैं इसके लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तहे दिल से बधाई देता हूं। दिल्ली के नागरिक खुशकस्मित हैं कि इतनी अच्छी सेवाएं उनको मिल रही हैं। ऐसे प्रयास हर जगह होने चाहिए। अगर ऐसा हो जाए तो हमारे हिन्दुस्तान का कल्याण हो जाए। दिल्ली सरकार ने काफी अच्छा प्रयास किया है। दिल्ली सरकार को शिक्षकों को ट्रेनिंग देने के लिए अन्य देशों में भेजना पड़ा।

दिल्ली सरकार ने करिकुलम, एक्टिविटीज और बच्चों को एंटरप्रेन्योर बनाने के तौर-तरीके सीखने के बारे में काफी प्रयास किया है। अब हम कम खर्चे में दिल्ली से ही ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। जो दिल्ली के स्कूलों में काम हुआ है, वैसा पूरे देश के स्कूलों में होना चाहिए।

इस दौरान केजरीवाल ने राव को दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधारो' के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के कारण कई निजी स्कूलों के छात्र सरकारी स्कूलों में दाखिला ले रहे हैं। केजरीवाल ने राव से कहा कि हमारे पास लगभग 1,100 स्कूल हैं और उनमें लगभग 18 लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। पहले यह संख्या 16 लाख थी, लेकिन अब शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार के कारण निजी स्कूलों के काफी विद्यार्थी हमारे सरकारी स्कूलों में दाखिला ले रहे हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केजरीवाल के साथ ही समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ भी दिन में राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि व्यापारी जब मिलते हैं तो व्यापार के बारे में बात करते हैं। नेता जब मिलते हैं तो राजनीति की बात करते हैं। अखिलेश यादव और केजरीवाल के साथ राजनीति पर बात करना स्वाभाविक है।

हर मुद्दे पर चर्चा और जवाब देने को तैयार है यूपी सरकार : सीएम योगी

लखनऊ, 22 मई (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार हर एक मुद्दे का जवाब देगी। जिस भी विषय को चर्चा के लिए अध्यक्ष द्वारा स्वीकार किया जाएगा, उसका पूरा जवाब सरकार देगी। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में अच्छा काम होगा तो राज्य के हर जन प्रतिनिधि को भी सम्मान मिलेगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को सर्वदलीय बैठक में यह बात कही।

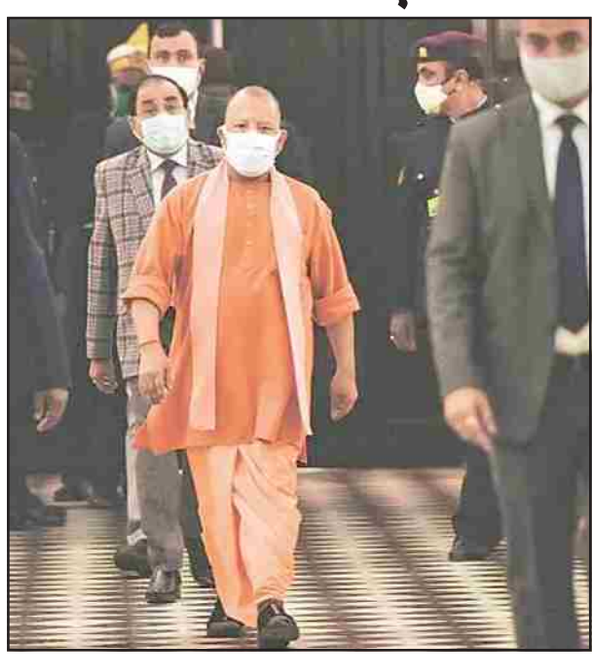

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति ने उत्तर प्रदेश की विधानसभा में विशेष सत्र के दौरान क्या हुआ यह जानकारी की। उन्होंने पूछा कि आखिर विभिन्न विशेष सत्र में जनहित के मुद्दों पर राज्य सरकार ने कैसे काम किया। सरकार इन कार्यक्रमों को कैसे आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 17वीं विधानसभा के दौरान प्रदेश सरकार द्वारा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनवरत चर्चा सदन में कराई गई। पूरी चर्चा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अन्य केन्द्रीय मन्त्रियों द्वारा वर्चुअली सुना गया। प्रधानमंत्री ने रात में स्वयं फोन कर इस पहल के लिए प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए कहा था कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपेक्षा के अनुरूप सतत विकास पर प्रदेश की विधानसभा में चर्चा होना एक दुर्लभ क्षण है। यह प्रदेश विधानसभा के सदस्यों के सकारात्मक रूप से कार्य करने को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री के कहने पर इस विचार-विमर्श का हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में विवरण प्रदेश सरकार द्वारा देश की सभी विधानसभाओं एवं पुस्तकालयों में भी भिजवाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन के सदस्य स्वयं के प्रश्न एवं अनुपूरक प्रश्न पूछने के साथ ही, अन्य सदस्यों को भी प्रश्न पूछने का मौका दें, जिससे प्रश्नकाल की गरिमा बढ़ेगी।

बैठक में समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव नहीं आए। उनके स्थान पर उपनेता इन्द्रजीत सरोज, नेता राष्ट्रीय लोक दलके नेता राजपाल वालियान, अपना दल (सोनेलाल) के नेता राम निवास वर्मा, निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल के नेता अनिल कुमार त्रिपाठी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता जगदीश नारायण राय, कांग्रेस पार्टी की नेता आराधना मिश्रा मोना, जन सत्ता दल (लोकतान्त्रिक) के नेता रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया बहुजन समाज पार्टी के नेता, उमाशंकर सिंह, ने भी सदन की कार्यवाही को व्यवस्थित ढंग से चलाने में प्रत्येक प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन दिया। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सभी दलीय नेताओं से सदन में शान्तिपूर्ण सहयोग करने की अपील की। विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

क्वाड शिखर सम्मेलन : प्रधानमंत्री दो दिवसीय दौरे पर जापान रवाना

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि जापान में क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता से चारों देशों के नेताओं को समूह द्वारा उठाए गए कदमों में हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिलेगा।

उन्होंने कहा, इस वार्ता से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम के साथ ही आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

जापान की दो दिवसीय (23-24 मई) यात्रा पर रवाना होने से पहले मोदी ने एक बयान जारी कर कहा कि इस यात्रा के दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें बहु-आयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा होगी।

मोदी ने कहा, हम क्षेत्रीय घटनाक्रम और समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर भी संवाद जारी रखेंगे।

मार्च 2022 में उन्होंने 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए किशिदा की मेजबानी की थी।

मोदी ने कहा, टोक्यो की मेरी यात्रा के दौरान, मैं भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से हमारी बातचीत को जारी रखने की उम्मीद करता हूं।

क्वाड सुरक्षा संवाद में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेता शामिल होंगे।

मोदी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज पहली बार क्वाड शिखर वार्ता में हिस्सा लेंगे।

मध्य प्रदेश में भीम आर्मी उतरेगी विधानसभा चुनाव में, आजाद ने मांगा वोट

भोपाल, 22 मई (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा और कांग्रेस के लिए भीम आर्मी भी चुनौती बनेगी। भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद रावण ने इस तरह के संकेत दिए हैं। आजाद ने शाजापुर जिले में बहुजन समाज को संबोधित करते हुए लोगों से विधानसभा में अपनी हिस्सेदारी देने के लिए वोट मांगे हैं।

चंद्रशेखर आजाद रावण शनिवार की रात को शाजापुर पहुंचे थे जहां उन्होंने बहुजन समाज के लोगों में जोश भरने के लिए शाजापुर, खातेगांव के लोगों के अपमान को याद कराया। लोगों को कहा कि वे इस सबका बदला वोट के जरिये ले सकते हैं और मेरी विधानसभा में हिस्सेदारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे यह सब वहां बैठकर देखते रहते हैं लेकिन रोते नहीं है। उसे अपनी ताकत बनाते हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि आज हम आजाद भारत में हैं और जितनी अधिकार और ताकत उनको है, उतनी ही ताकत व अधिकार हमारे पास हैं। सरकारों ने 70-72 साल में यह दिया है कि हम अपने बच्चों के जीवन के लिए सीवर में नीचे उतरते हैं जबकि पता है कि वहां उतरने से जीवन को खतरा है।

चंद्रशेखर आजाद ने लोगों से रोज का एक घंटा मिशन के लिए मांगा। उन्होंने कहा कि जब तक आर्थिक समानता नहीं आएगी तब तक कुछ नहीं होगा। अमीर का कुत्ता एसी में सोता है और हमारे लोग छत पर सोते हैं। अब हम घुटने के बल नहीं चलेंगे। आंख से आंख मिलाकर चलेंगे। चंद्रशेखर ने कहा मांगने से भीख मिलती है अधिकार नहीं। यह लड़ाई रोटी-कपड़ा-मकान का नहीं है बल्कि समता, समाज और बंधुत्व की है।

भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे की लड़ाई लड़ने वालों को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा यह समझती है और इसीलिए उनके दौरे में जानबूझकर बाधाएं डाली गईं।

पेट्रोल और डीजल पर कोई कर कटौती का संकेत नहीं: तमिलनाडु वित्तमंत्री

चेन्नई, 22 मई (एजेन्सी)। तमिलनाडु की द्रमुक सरकार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन केंद्र सरकार द्वारा घोषित किया है। इसमें उत्पाद शुल्क में कमी के अनुरूप पेट्रोल और डीजल पर अपने करों को कम नहीं कर सकता है। जैसा कि राज्य के वित्तमंत्री पलानीवेल थियागा राजन के बयान से होता है।

शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की है, केंद्र पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर की कमी करेगा।

सीतारमण की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए राजन ने रविवार को कहा कि, राज्यों से अपने करों में कटौती की उम्मीद करना न तो उचित है और न ही अनुचित।

उन्होंने तर्क दिया, 'यह इंगित करना उचित है कि संघ ने कभी राज्यों से परामर्श नहीं किया था जब उन्होंने पेट्रोल और डीजल पर कई बार करों में वृद्धि की थी। केंद्र सरकार द्वारा करों में अत्यधिक वृद्धि केवल उनकी कटौती के माध्यम से आंशिक रूप से कम की गई है और कर जारी है 2014 की दरों की तुलना में उच्च।'

आगे उन्होंने कहा है, 'हालिया कटौती से राज्य को वार्षिक राजस्व में लगभग 800 करोड़ रुपये का और नुकसान होगा। इससे राज्यों के वित्त पर भारी दबाव पड़ेगा, जो पहले से ही कोविड राहत गतिविधियों के लिए उनके द्वारा किए गए अतिरिक्त खर्च के कारण बोझ थे।'

उन्होंने कहा कि, '3 नवंबर, 2021 को घोषित किए गए करों में केंद्र सरकार की कमी से तमिलनाडु को वार्षिक राजस्व में लगभग 1,050 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ है।'

राजन ने 13 अगस्त, '2021 को तमिलनाडु सरकार द्वारा 3 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल की कमी को भी याद किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 1,160 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ।'

इस बीच तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक के समन्वयक ओ. पनीरसेल्वम ने हाल ही में स्टालिन से अन्य राज्यों में अपने समकक्ष और केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ पेट्रोल और डीजल को वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में लाने के लिए चर्चा करने का आग्रह किया।

पनीरसेल्वम ने स्टालिन की मांग को याद करते हुए कहा कि, 'जब वह पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने के विरोध में थे और द्रमुक के वरिष्ठ नेता, लोकसभा सदस्य टी.आर. पहलू।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, 'अगर पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाया जाता है तो प्रति लीटर की कीमत में क्रमश 25 रुपये और 30 रुपये की कमी आएगी।'

पन्नीरसेल्वम ने कहा कि, 'द्रमुक ने डीजल की कीमतों में चार रुपये प्रति लीटर की कमी करने के अपने चुनावी वादे को पूरा नहीं किया है।'

पन्नीरसेल्वम ने कहा कि, 'तमिलनाडु में द्रमुक के सत्ता में आने के बाद पेट्रोल की कीमतों में 17.68 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 14.29 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है और राज्य सरकार उच्च राजस्व में बढ़ रही है।'

भारत में कोविड के बीए.4, बीए.5 वेरिएंट के पहले मामले की पुष्टि

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इंसाकॉग) ने रविवार को भारत में कोविड-19 के बीए.4 और बीए.5 वेरिएंट के पहले मामले की पुष्टि की।

इंसाकॉग ने एक बयान में कहा, 'तमिलनाडु में 19 साल की एक युवती सार्स-कोव-2 के बीए.4 वेरिएंट से संक्रमित पाई गई है। वह टीकेकी दोनों खुराक लगवा चुका है और उसका कोई यात्रा इतिहास नहीं है।'

इंसाकॉग ने कहा कि इससे पहले, हैदराबाद हवाईअड्डे पर उतरने वाला एक दक्षिण अफ्रीकी यात्री बीए.4 वेरिएंट से संक्रमित पाया गया था।

इंसाकॉग के अनुसार, इस बीच तेलंगाना में एक पुरुष बीए.5 वेरिएंट से संक्रमित पाया गया है।

जीनोमिक्स कंसोर्टियम निकाय ने बयान में कहा, 'तेलंगाना में 80 वर्षीय एक पुरुष बुजुर्ग बीए.5 वेरिएंट से संक्रमित पाया गया है। रोगी में संक्रमण के हल्के लक्षण दिखे हैं। उसका कोई यात्रा इतिहास नहीं है और वह टीकेकी दोनों खुराक लगवा चुका है।'

जीनोम अनुक्रमण निकाय ने आगे कहा कि एहतियात के तौर पर बीए.4 और बीए.5 रोगियों का संपर्क ट्रेसिंग किया जा रहा है।

इंसाकॉग ने कहा, बीए.4 और बीए.5 विश्व स्तर पर प्रसारित होने वाले ओमिक्रॉन वेरिएंट के सब-वेरिएंट हैं। ये इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका से पहले रिपोर्ट किए गए थे और अब कई अन्य देशों से रिपोर्ट किए गए हैं।'

हजारों मंदिर ढहाए गए, अब उनपर बात करना बेकार, इतिहास दोहराया नहीं जा सकता: सद्गुरु जग्गी वासुदेव

नई दिल्ली, 22 मई (एजेन्सी)। इन दिनों ज्ञानवापी के अलावा भी कई जगहों पर मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाए जाने का दावा किया जा रहा है।

दिल्ली के कुतुब मीनार और हैदराबाद की मस्जिद में भी हिंदू देवी-देवताओं के निशान होने की बात कही जा रही है। इसी बीच आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव ने कहा है कि अब उन हजारों मंदिरों के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है जो आक्रांताओं के हमले में ढहा दिए गए थे।

इंडिया टुडे के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, हमले के दौरान हजारों मंदिरों को ध्वस्त कर दिया गया। तब हम उन्हें बचा नहीं पाए। अब उनके बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि इतिहास दोबारा नहीं लिखा जा सकता।

उन्होंने कहा, दोनों समुदायों (हिंदू, मुस्लिम) को साथ में बैठना चाहिए और समझौता करना चाहिए कि जो दो तीन प्रमुख जगहें हैं उनपर कोई फैसला हो जाए। हर एक जगह के बारे में बार-बार बात करना और फिर विवाद पैदा करने, दोनों समुदायों के बीच दुश्मनी बनाकर रखना ठीक नहीं है। कुछ मिलेगा तो कुछ खोना पड़ेगा और देश को आगे बढ़ाने का यही सही तरीका है। हमें ये सारी बातें हिंदू-मुस्लिम में बांटकर नहीं देखनी चाहिए।

सद्गुरु से जब ज्ञानवापी के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने बचते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसा कोई विवाद नहीं है जिसका हल नहीं निकल सकता है। लोगों के मन में अगर किसी बात का दुख है तो बैठकर बात करें। जो लोग सक्रिय राजनीति में हैं उन्हें इससे दूर रखना चाहिए क्योंकि इससे किसी को राजनीतिक लाभ नहीं हासिल होना चाहिए।

बता दें कि वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर मे सर्वे के बाद रिपोर्ट कोर्ट में सौंप दी गई है। अब सोमवार को सुनवाई होनी है। वहीं इससे संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे जिला जज को सौंप दिया है। हिंदुओं का दावा है कि मस्जिद के अंदर शिवलिंग पाया गया है जो कि वजूखाने में डूबा हुआ था।

मैं किसी से नाराज नहीं हूं, नाराज होने के लिए कोई आधार चाहिए : आजम खान

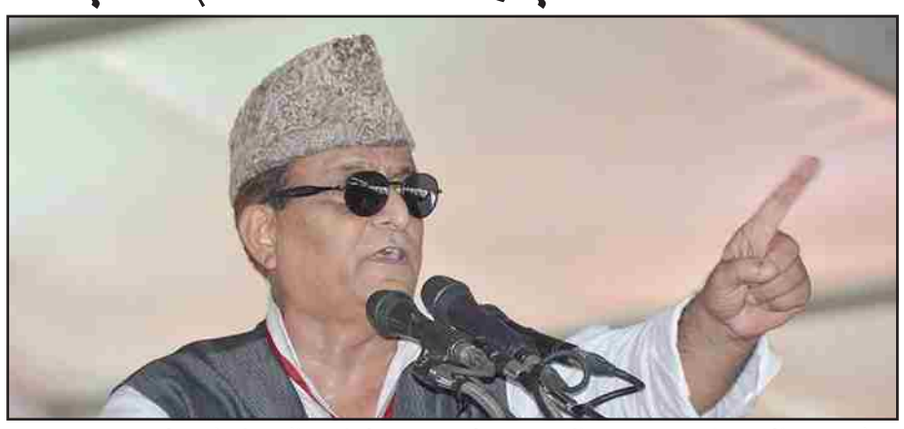

रामपुर, 22 मई (एजेन्सी)। मैं किसी से नाराज नहीं हूं। मुझे तो नाराजगी की जानकारी मीडिया ही मिल रही है। मेरी किसी से नाराजगी की हैसियत नहीं है। नाराज होने के लिए कोई आधार चाहिए। मैं तो खुद ही निराधार हूं तो आधार कहां से आएगा। यह जवाब सपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक आजम खान ने समाजवादी पार्टी से नाराजगी पर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि मैं एक गरीब आदमी हूं जो एक ऐसी तंग गली में रहता है, जहां एक भी चार पहिया गाड़ी दाखिल नहीं हो सकती।

करीब ढाई साल बाद जेल में रिहा हुए आजम खान रविवार को अपने करीबी साथी गुड्डू मसूद से मुलाकात करने रामपुर जिला कारागार गए थे। वहां से लौटने के बाद संवाददाताओं से बातचीत की। सोमवार को शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के बजट सत्र में हिस्सा लेंगे के सवाल पर आजम खान ने कहा कि निश्चित रूप से मैं सत्र में हिस्सा लूंगा। मैं विधानसभा के लिए 11वीं बार चुना गया हूं। बता दें कि इस दौरान स्वार सीट से सपा विधायक और आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम भी मौजूद थे।

संवाददाताओं से बातचीत में आजम खान ने आरोप लगाया कि उन्हें शिक्षा का आंदोलन शुरू करने की सजा दी गई है। उन्होंने कहा कि मुझे सजा दी गई क्योंकि मैंने बच्चों के हाथ में कलम देना चाहा था। तालीम का मिशन शुरू किया था और मैंने जो यूनिवर्सिटी (मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय) कायम की, अगर उसे ढहाया गया तो उसके खंडहर और मलबा मेरे मिशन का इतिहास बयान करेंगे। मैं उच्चतम न्यायालय का शुक्रगुजार हूं कि मुझे जमानत दी।

गौरतलब है कि आजम खां भ्रष्टाचार समेत अनेक अन्य आरोपों में दर्ज 89 मुकदमों में पिछले 27 महीने से सीतापुर जेल में बंद थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने के बाद वह गत शुक्रवार को जेल से रिहा हुए थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com